Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 65 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 22 अगस्त 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अच्छे लोग दूसरों के लिए जीते हैं, जबकि दुष्ट लोग दूसरों पर जीते हैं।

Good People live for others while the bad people live on others.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल रमेन डेका से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सपरिवार भेंट की

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सपरिवार सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय एवं परिजन उपस्थित थे।

आज गुरुवार को होने वाला जनदर्शन स्थगित

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हर सप्ताह गुरुवार को होने वाला जनदर्शन इस गुरुवार 22 अगस्त को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है।

विधानसभा चुनाव : अगले सप्ताह आ सकती है भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची

नई दिल्ली (आरएनएस)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपने उम्मीदवारों की पहली सूची अगले सप्ताह जारी कर सकती है। उम्मीदवारों के नाम पर विचार-विमर्श करने रविवार को पार्टी के केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हो सकती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता और पीएम मोदी की मौजूदगी में होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई जाएगी। रविवार की बैठक में मुहर लगने के बाद भी पार्टी अपने उम्मीदवारों की पहली सूची इसके अगले दिन सोमवार को ही जारी करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ई-आफिस प्रणाली, स्वागतम पोर्टल और मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाईन पोर्टल का किया शुभारंभ

साय सरकार का सुशासन और पारदर्शिता के लिए एक और बड़ा कदम

- मुख्यमंत्री ने ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के संबंध में मुख्य सचिव को निर्देश देने संबंधी फाइल का अनुमोदन कर ई-ऑफिस प्रणाली का किया शुभारंभ
- शासकीय कामकाज को पारदर्शी बनाने और व्यवस्थित करने ई-आफिस प्रणाली की शुरुआत
- मंत्रालय में आमजनों के सुगम प्रवेश के लिए स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने और शासकीय काम-काज में पारदर्शिता लाने के लिए सभी क्षेत्रों में आईटी का व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल शुरू हो गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज तीन पोर्टलों ई-ऑफिस प्रणाली, मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल और स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पहल से सुशासन के साथ शासकीय कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार सरकारी काम-काज में अधिक से अधिक पारदर्शिता लाने के लिए अधिकाधिक क्षेत्रों में आईटी का उपयोग किया जा रहा है, ताकि भष्टाचार की गुंजाईश न रहे। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर ये तीनों ऑनलाईन पोर्टल तैयार किए गए हैं, जिसका शुभारंभ आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में बटन दबाकर मुख्यमंत्री ने किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्य सचिव को सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश देने संबंधी फाइल का डिजिटल अनुमोदन कर ई-ऑफिस प्रणाली का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि सुशासन के संकल्प को पूरा करने की दिशा में ई-आफिस प्रणाली और स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस और सरकारी काम में पारदर्शिता के उद्देश्य से सभी विभागों में आईटी के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। डिजिटल गवर्नेंस को हर स्तर पर ले जाने के लिए हम काम कर रहे है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। आज हम लोगों ने सरकारी कामकाज में अधिक पारदर्शिता और आमजन की सुविधा के लिए एक साथ तीन-तीन ऑनलाइन प्रणाली का शुभारंभ किया है। तीनों पोर्टल का शुभारंभ प्रदेश में सुशासन स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा। ई-ऑफिस प्रणाली से फाइलों के निराकरण में अनावश्यक देरी नहीं होगी। गलती की गुंजाइश कम होगी। फाइल किस स्तर पर है, इसकी ट्रेकिंग हो सकेगी। इसी तरह मंत्रालय में मुख्यमंत्री, मंत्रीगणों और अधिकारियों से मिलने जो आंगतुक आते है, उनकी सुविधा के लिए स्वागतम पोर्टल भी शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सीएमओ पोर्टल के शुभारंभ की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों, जनहितैषी फैसलों और काम-काज की जानकारी आम लोगों को मिलेगी।

गौरतलब है कि ई-ऑफिस प्रणाली शुरुआती चरण में सामान्य प्रशासन विभाग में लागू किया गया है, जिसे क्रमश: सभी विभागों में लागू किया जाएगा। ई-आफिस प्रणाली में आफिस के दस्तावेज डिजिटल किये जाएंगे। दस्तावेज को एक आफिस से दूसरे आफिस भेजे जाने पर काफी समय लगता था, यह समय अब बच जाएगा। इसके साथ ही दस्तावेज में हेरफेर किये जाने की गुंजाईश समाप्त हो जाएगी। दस्तावेजों के खोने या गायब होने की दिक्कत नहीं रहेगी। डिजिटल माध्यम में दस्तावेज अधिक सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब तय समय-सीमा पर फाइलों का निराकरण हो सकेगा। इससे अधिकारियों के कामकाज की मॉनिटरिंग भी आसान हो सकेगी। ई-आफिस सिस्टम आने से आम जनता के लिए भी अपने आवेदनों के निराकरण की स्थिति जानने में आसानी होगी। इसी प्रकार मंत्रालय में प्रवेश हेतु स्वागतम पोर्टल के माध्यम से आगंतुकों के प्रवेश की व्यवस्था आसान हो जाएगी। आगंतुकों से संबंधित विवरणों के संधारित हो जाने से मंत्रालय परिसर की सुरक्षा सुदृढ़ होगी। इसके साथ ही सीएमओ पोर्टल का भी आज शुभारंभ किया गया। सीएमओ पोर्टल के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी एक क्लिक पर लोगों को मिल सकेगी। इस पोर्टल के माध्यम से छत्तीसगढ़ के कला संस्कृति इतिहास और अन्य विशेषताओं के बारे में लोग जान पाएंगे।

छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में होगा मेगा ईवेंट और आईईसी कैंपेन, पीएम मोदी भी होंगे शामिल

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पहल पर छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल बसाहटों में राज्य और केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विशेष अभियान चलेगा। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा राज्य के 18 जिलों में आगामी सितम्बर माह में इसके लिए मेगा ईवेंट और आईईसी कैंपेन चलाने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सितंबर 2024 के प्रथम सप्ताह में ऐसे आयोजनों में वर्चुअल रूप से शामिल होकर विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के साथ संवाद करेंगे।

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह 23 अगस्त को रायपुर आएंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 23 से 25 अगस्त, 2024 तक रायपुर प्रवास पर रहेंगे। केन्द्रीय मंत्री का आगमन 23 अगस्त 2024 को रात्रि 10 बजे होगा।

अपने प्रवास के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री 24 अगस्त 2024 को सुबह 10:30 बजे महाप्रभु वल्लभाचार्य आश्रम का दौरा करेंगे। इसके बाद, इसी दिन सुबह 11:30 बजे होटल मेफेयर, रायपुर में छत्तीसगढ़ एवं पड़ोसी राज्यों के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशकों के साथ अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक के बाद दोपहर 2:30 बजे छत्तीसगढ़ के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा एवं विकास संबंधी बैठक में सम्मिलित होंगे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह 25 अगस्त 2024 को सुबह 10:30 बजे एन.सी.बी. ऑफिस, रायपुर का उद्घाटन करेंगे एवं समीक्षा बैठक में भाग लेंगे। इसके पश्चात् होटल मेफेयर, रायपुर में दोपहर 01:30 बजे छत्तीसगढ़ में सहकारिता के विस्तार से संबंधित बैठक में शामिल होंगे।

उत्तर भारत के कई शहरों में भारत बंद का अच्छा खासा असर

नई दिल्ली (आरएनएस)। एससी, एसटी आरक्षण में उच्चतम न्यायालय द्वारा क्रीमी लेयर और उपवर्गीकरण करने के फैसले के विरोध में अनुसूचित जाति और जनजाति मोर्चा व भीम आर्मी द्वारा बुलाए गए भारत बंद का पूरे देश में मिला-जुला असर देखने को मिला। इस बंद का समर्थन विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी किया है, जिससे इसका प्रभाव कई शहरों में स्पष्ट रूप से देखा गया।

बिहार के जहानाबाद में इसका असर सुबह से ही दिखाई देने लगा। यहां के प्रमुख मार्गों, विशेषकर पटना-गया राष्ट्रीय मार्ग के ऊंटा मोड़ के पास बड़ी संख्या में बंद समर्थकों ने सड़क को जाम कर दिया। इस जाम की वजह से वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं, जिससे आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। भारत बंद समर्थकों ने सरकार से मांग की है कि उच्चतम न्यायालय के फैसले को एक अध्यादेश के माध्यम से रद्द किया जाए। पटना में बंद समर्थकों ने महेंद्रु अंबेडकर हॉस्टल के पास सड़क को जाम कर दिया और आगजनी की। पुलिस प्रशासन शांति व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश की।

छत्तीसगढ़ के कवर्धा में भारत बंद का असर अपेक्षाकृत कम देखा गया। चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भारत बंद का समर्थन नहीं किया है, जिसमें छोटे व्यापारी और अन्य व्यावसायिक संगठन शामिल हैं। चेंबर ने बताया कि व्यापारिक संगठनों की बिना पूर्व सूचना के समर्थन न देने की परंपरा है, जिसके कारण कवर्धा में भारत बंद का प्रभाव सीमित रहा। रायपुर में बंद की वजह से कई स्कूलों में छुट्टियां दे दी गई। इसके अलावा झारखंड के चाईबासा में भारत बंद का व्यापक असर देखने को मिला। झारखंड मुक्ति मोर्चा के समर्थन के साथ अनुसूचित जाति और जनजाति संगठनों ने बाजारों को बंद करा दिया और वाहनों का परिचालन ठप कर दिया। चाईबासा शहर के तांबो चौक पर सड़क को अवरुद्ध कर दिया गया और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ने कहा कि आरक्षण में वर्गीकरण की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारतीय नौसेना ने बीईएमएल लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भारतीय नौसेना और बीईएमएल लिमिटेड समुद्री उपकरणों और प्रणालियों के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आए हैं

दिल्ली (पीआईबी)। भारतीय नौसेना ने समुद्री इंजीनियरिंग उपकरणों के स्वदेशीकरण की दिशा में एक बड़ा महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय के तहत एक शेड्यूल ए कंपनी और भारत के अग्रणी रक्षा और भारी इंजीनियरिंग निर्माताओं में से एक, बीईएमएल लिमिटेड ने 20 अगस्त, 24 को भारतीय नौसेना के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह समझौता ज्ञापन नई दिल्ली में नौसेना मुख्यालय में भारतीय नौसेना के रियर एडमिरल के श्रीनिवास, एसीओएम (डी एंड आर) और भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) के रक्षा निदेशक श्री अजीत कुमार श्रीवास्तव के बीच संपन्न हुआ। यह पहल महत्वपूर्ण समुद्री इंजीनियरिंग उपकरणों और प्रणालियों के स्वदेशी डिजाइन, विकास, निर्माण, परीक्षण और उत्पाद समर्थन के लिए द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप, इस साझेदारी का उद्देश्य रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को मजबूत करना और विदेशी मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) पर निर्भरता को कम करना है।

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड का पहला प्रमुख उत्पादन बना मील का पत्थर

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के खाते में हासिल हुई बड़ी उपलब्धि, 01 मिलियन टन एचआरसी का उत्पादन

हैदराबाद (विश्व परिवार)। एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने अपनी उत्पादन क्षमता में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहला नया कीर्तिमान स्थापित किया है। छत्तीसगढ के नगरनार स्थित एनएमडीसी स्टील के अल्ट्रा माडर्न, अत्याधुनिक संयंत्र ने 1 मिलियन टन (एमएनटी) हॉट रोल्ड कॉइल (एचआरसी) का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है, जो कंपनी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। खासबात ये है कि एचआर कॉइल उत्पादन की ये उपलब्धि कंपनी की पहली वर्षगांठ से चार दिन पहले ही हासिल हुई है। एनएमडीसी प्रबंधन ने इस उपलब्धि को मील का पत्थर करार दिया है। यह उपलब्धि उद्योग में सबसे तेज़ और सबसे कुशल संयंत्रों में से एक के रूप में एनएसएल की स्थिति को रेखांकित करती है, जो इसकी उल्लेखनीय भावना, प्रदर्शन और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की विशेषता है।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि 2024 में एनएसएल की पिछली सफलताओं पर आधारित है। बताते चलें कि 21 जुलाई, 2024 को कंपनी ने अपने ब्लास्ट फर्नेस से 1.5 मिलियन टन हॉट मेटल का उत्पादन हासिल किया और 11 अगस्त, 2024 को इसने स्टील मेकिंग शॉप (एसएमएस) से 1 मिलियन टन लिक्विड स्टील का उत्पादन किया। उत्पादन शुरू होने के एक वर्ष से भी कम समय में दोनों प्रकार के उत्पादनों में कंपनी ने मील के पत्थर हासिल किए, जिससे उद्योग में प्रदर्शन के लिए नए मानक स्थापित हुआ।

ये उपलब्धियाँ परिचालन उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति एनएसएल की प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं। कंपनी दक्षता, स्थिरता और तकनीकी उन्नति पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस्पात विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी बनने की आकांक्षा रखते हुए नई ऊंचाईयों की ओर बढ़ रही है।

यह अत्याधुनिक 3 एमटीपीए स्टील प्लांट रू 22, 900 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित किया गया है, जो भारत की सबसे चौड़ी हॉट स्ट्रिप मिलों में से एक है, जो 900 मिमी से 1650 मिमी चौड़ाई के एचआर कॉइल्स को 1 मिमी से 16 मिमी मोटाई में रोल करने में सक्षम है।

एनएमडीसी और एनएसएल के सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) श्री अमिताभ मुखर्जी ने इस उपलब्धि पर अपने बधाई संदेश में कहा- मुझे यह बताते हुए बेहद गर्व मससूस हो रहा है कि एनएसएल अपनी उत्पादन यात्रा के शुरुआती दौर में ही इस महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर लिया है। निर्धारित समय से पहले 1 एमएनटी हॉट रोल्ड कॉइल (एचआरसी) हासिल करना हमारी पूरी टीम के समर्पण, विशेषज्ञता और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। इस उपलब्धि ने न केवल पीएसयू क्षेत्र के भीतर एक नया मानक स्थापित किया, बल्कि उद्योग के बेंचमार्क के मुकाबले भी मजबूती से टिका हुआ है। हम इस गति को बनाए रखने और गुणवत्ता और दक्षता के साथ आगे बढ़ते रहने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के बारे में

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड इस्पात मंत्रालय के तहत एक डायनेमिक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने और विनिर्माण प्रौद्योगिकी में उन्नत प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है। उत्कृष्टता, स्थिरता और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड उल्लेखनीय गति और प्रदर्शन के माध्यम से स्वैयं को अलग पहचान बनाया है। कंपनी उन्नति को नई उचाईयों तक पहुंचाने और नए उद्योग मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहली बार अंतरिक्ष में टुकड़ों में जाएगा चंद्रयान-4; पांच साल में 70 सैटेलाइट लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख डॉ. एस सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-4 और 5 की डिजाइन तैयार है। हमें अब सरकार की तरफ से मंजूरी मिलने का इंतजार है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले पांच साल में 70 सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना है।

चंद्रयान-4 मिशन चंद्रमा की सतह से पत्थर और मिट्टी का सैंपल लेकर आएगा। उसकी चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग होगी। मिशन में स्पेस डॉकिंग होगा। इसका मतलब है कि चंद्रयान-4 को टुकड़ों में अंतरिम में भेजा जाएगा। इसके बाद उसे अंतरिक्ष में जोड़ा जाएगा। ऐसा पहली बार होने जा रहा है। डॉ. सोमनाथ ने इंडियन स्पेस एसोसिएशन के ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के एक क्रार्यक्रम से अलग मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 के बाद हमारे पास चंद्रमा को लेकर कई मिशन है। इससे पहले इसरो अधिकारियों ने कहा था कि चंद्रयान-4 साल 2028 में लॉन्च किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इसरो पांच साल में जो 70 सैटेलाइट छोड़ेगा उसमें निचली कक्षा में स्थापित होने वाले सैटेलाइट भी होंगे। इससे विभिन्न मंत्रालयों और सरकारी विभागों की जरूरतें पूरी होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि चार सैटेलाइट रीजनल नेविगेशन सिस्टम के होंगे।

एसएसएलवी में दस से ज्यादा कंपनियों ने दिखाई रुचि : इसरो के प्रमुख डॉ. एस सोमनाथ ने कहा कि 10 से अधिक कंपनियों और कंसोर्टिया ने लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के निर्माण में रुचि दिखाई है, जिनमें से कुछ को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए संभावित बोलीदाताओं के रूप में चुना गया है। इसरो प्रमुख ने कहा कि चयनित उद्योग भागीदार पहले दो साल की अवधि में इसरो की सहायता से दो एसएसएलवी विकसित करेगा और फिर छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षाओं में स्थापित करने के लिए रॉकेट बनाने का काम करेगा।

जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता जरूरी : राज्यपाल रमेन डेका

राज्यपाल ने पर्यावरण संवर्धन हेतु सभी से एक पेड़ लगाने का किया आह्वान

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता पर जोर देते हुए पर्यावरण संवर्धन के लिए सभी से एक पेड़ लगाने का आह्वान किया है। राज्यपाल श्री डेका ने दुर्ग जिले में आयोजित प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में उक्त आशय के विचार व्यक्त किए।

राज्यपाल रमेन डेका ने जिले में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के अलावा सामाजिक हितों के लिए जिले में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि सरकार की योजनाओं का सफल क्रियान्वयन अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाता है। कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से इसका लाभ जन-जन तक पहुंचता है। उन्होंने अधिकारियों को दायित्वों का निर्वहन कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और समर्पण की भावना से करने कहा।

राज्यपाल रमेन डेका ने अधिकारियों से एजेण्डावार 20 विषयों पर विचार-विमर्श किया। साथ ही इस पर प्रशासनिक अधिकारियों से सुझाव आमंत्रित किए। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले की योजनाओं के संबंध में पॉवर पांइट प्रेसेन्टेशन दिया। बैठक में संभागायुक्त श्री एस.एन. राठौर, पुलिस महानिरीक्षक श्री रामगोपाल गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र शुक्ला, सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने भिलाई इस्पात संयंत्र का किया भ्रमण

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज अपने दुर्ग भिलाई प्रवास के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण किया। इस दौरान सांसद श्री विजय बघेल भी साथ मौजूद थे। राज्यपाल श्री डेका ने भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस, रेल पथ मिल्स, सेफ्टी पाइंट और इस्पात गार्डन का अवलोकन किया। बीएसपी के अधिकारियों ने राज्यपाल को संयंत्र में इस्पात निर्माण की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रबंध निदेशक श्री अनिर्बन दास गुप्ता, प्रबंध निदेशक मानव संसाधन श्री पवन कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

नक्सल मामले में राज्य के गृह मंत्री असफल इसलिए केंद्रीय गृह मंत्री बैठक लेने आ रहे : कांग्रेस

भाजपा सरकार 8 महीने में नक्सल मामले में कोई ठोस नीति नहीं बन पाई

रायपुर (विसं)। प्रदेश कांग्रेस वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि नक्सल मामले में राज्य के गृह मंत्री असफल हैं इसलिए केंद्रीय गृह मंत्री बैठक लेने आ रहे हैं। राज्य के गृह मंत्री कभी कहते हैं कि नक्सलियों से फोन पर चर्चा करेंगे कभी नक्सलियों से आन लाईन सुझाव मांगते हैं। गृहमंत्री को समझ नही आ रहा है कि नक्सलवाद को खत्म करने कैसे योजनाबद्ध काम करे? सरकार के ढुल मूल रवैया के चलते ही नक्सली एक बार फिर पैर पसार रहे हैं। भाजपा सरकार बनने के बाद नक्सली आतंक बढ़ा है। 8 महीने में सरकार नक्सलवाद को लेकर कोई ठोस नीति या योजना नहीं बना पायी। नक्सली हमले में निर्दोष लोगों की जाने जा रही है जवान शहीद हो रहे हैं। नक्सलवाद खत्म करने के मोर्चे पर पूरी तरीका से सरकार विफल हो गई है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की सरकार के दौरान नक्सलवाद को खत्म करने के लिए विश्वास विकास और सुरक्षा के नीति पर काम किया गया था। नक्सल प्रभावित क्षेत्र की जनता से सुझाव लेकर नक्सल मोर्चे पर काम किया गया था जिसका ही परिणाम है कि नक्सली वारदात में 68 प्रतिशत की कमी आई थी। बीहड़ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय बटालियन के तैनातियों की गई। पुलिस और आम जनता मिलकर नक्सलवाद के खिलाफ खड़े थे।नक्सल प्रभावित क्षेत्र की जनता का विश्वास सरकार पर बढा था। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्कूल खोले गए स्वास्थ्य रोजगार की सुविधा दी गई जिसका परिणाम है कि नक्सली भागने को मजबूर हुए थे 8 महीने में भाजपा की सरकार में नक्सली फिर वापस आ रहे हैं यह सरकार की नाकामी है।

दैनिक
विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

गोंदिया एवं सांतरागाछी के मध्य दुर्गा पूजा स्पेशल ट्रेन की सुविधा, इस मार्ग के यात्रियों को मिलेगी आरक्षित बर्थ की सुविधा

इस गाड़ी की विस्तृत समय-सारणी निम्नानुसार है -

08893 गोंदिया-सांतरागाछी पूजा स्पेशल		स्टेशन	08894 सांतरागाछी-गोंदिया पूजा स्पेशल	
पहुँच	छूट		पहुँच	छूट
----	11.20	गोंदिया	01.15	----
12.16	12.18	डोंगरगढ़	23.41	23.43
12.40	12.42	राजनांदगांव	23.16	23.18
13.20	13.25	दुर्ग	22.50	22.55
14.00	14.05	रायपुर	21.55	22.00
14.55	14.57	भाटापारा	20.23	20.25
15.55	16.05	बिलासपुर	19.30	19.40
16.55	16.57	चांपा	18.00	18.02
18.35	18.37	रायगढ़	16.40	16.42
20.30	20.32	झारसुगुड़ा	15.43	15.45
22.15	22.23	राउरकेला	13.35	13.43
00.05	00.10	चक्रधरपुर	12.00	12.05
01.00	01.05	टाटानगर	11.00	11.05
03.20	03.25	खड़गपुर	08.55	09.00
05.20	----	सांतरागाछी	---	07.30

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा दुर्गा पूजा के दौरान यात्रियो की बेहतर यात्रा सुविधा हेतु गोंदिया एवं सांतरागाछी के मध्य पूजा स्पेशल गाड़ी का परिचालन 02 फेरों के लिए चलाई जा रही है। गाड़ी संख्या 08893 गोंदिया-सांतरागाछी पूजा स्पेशल ट्रेन, गोंदिया से दिनांक 04 एवं 09 अक्टूबर, 2024 को तथा गाड़ी संख्या 08894 सांतरागाछी-गोंदिया पूजा स्पेशल ट्रेन, सांतरागाछी से दिनांक 05 एवं 10 अक्टूबर, 2024 को चलेगी। इस पूजा स्पेशल गाड़ी में 02 एसएलआरडी, 06 सामान्य, 10 स्लीपर, 01 एसी थ्री, 01 एसी-टू, 01 एसी प्रथम सहित कुल 20 कोचों की सुविधा रहेगी।

नगर की सड़कें खराब, जनप्रतिनिधियों के प्रति लोगों में आक्रोश

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर की सड़कों की हालत काफी खराब हो गई है। सड़के चलने के लायक नहीं बची है। नवापारा नगर की मुख्य सडक नगर का हृदय स्थल सदर रोड, चांदी चौक से मस्जिद तक, वही चांदी चौक से गांधी चौक होते हुए भगवान महावीर चौक तक सड़क की हालत काफी जर्जर हो गई है। इस मार्ग में सिर्फ और सिर्फ गड्ढे ही गड्ढे नजर आते हैं। बारिश का पानी इन गड्ढों में भर जाता है जिससे आने जाने वाले राहगीरों, स्कूली छात्रों व वाहन चालकों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। नवापारा एक व्यावसायिक नगरी है, आसपास के साथ ही अनेक गांव के लोग नगर में खरीदी व अन्य कार्य के साथ ही मेहनत मजदूरी के लिए पहुंचते हैं। थोक सब्जी बाजार, किराना, कपड़ा सराफा दुकान में खरीदारी करने के लिए आते हैं। सालों से सड़कों की इन जर्जर हालत को ठीक नहीं किया गया है जिससे लोगों में जनप्रतिनिधियों के प्रति आक्रोश व्याप्त है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाए गए जन समस्या निवारण शिविर में इन सड़कों की जर्जर हालत के बारे में कुछ जागरूक नागरिकों के द्वारा आवेदन दिया गया है। अब देखना यह होगा कि पालिका प्रशासन इन सड़कों को कब तक सुधार पाती है।

कलिंगा विश्वविद्यालय में सुराना और सुराना जूडेक्स 2.0 - राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2024 का सफल आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर मध्य भारत का एक प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान है और उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभरा है। विश्वविद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि छात्रों के समग्र विकास पर भी जोर देता है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, सुराना और सुराना जूडेक्स 2.0: राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2024, सुराना और सुराना इंटरनेशनल अटॉर्नी, चेन्नई, भारत के सहयोग से, 17 अगस्त, 2024 को कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई, जिसमें कानूनी बुद्धि और वकालत कौशल का असाधारण प्रदर्शन हुआ। महत्वाकांक्षी कानूनी पेशेवरों के लिए इस हस्ताक्षर कार्यक्रम ने देश भर से शीर्ष प्रतिभाओं को एक साथ लाया और कानूनी उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

उद्घाटन प्रतियोगिता के सम्मानित अतिथि उत्तराखंड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एवं उत्तराखंड लोक सेवा न्यायाधिकरण के अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति उमेश चंद्र ध्यानी थे।

इस प्रतियोगिता में 20 लॉ स्कूलों ने भाग लिया, जहां तमिलनाडु अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी चैंपियन के रूप में उभरी और इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शीर्ष सम्मान हासिल किया और कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ लॉ, भुवनेश्वर उल्लेखनीय कानूनी कौशल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता रहा। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ लॉ, भुवनेश्वर की सायंतिका रॉय को विशेष मान्यता भी दी गई, जिन्हें प्रतियोगिता के दौरान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ छात्र वकील से सम्मानित किया गया।

कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता ने कानून के छात्रों को अपने कौशल को निखारने, कठोर कानूनी बहस में शामिल होने और अपनी वकालत के कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। इस वर्ष का संस्करण, जो अब संस्थान के इतिहास का एक हिस्सा है, असाधारण प्रदर्शन और न्याय की खोज के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता की विशेषता थी।

चौथी राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता की मुख्य विशेषताएं : प्रभावशाली भागीदारी: प्रतियोगिता में तीस प्रतिष्ठित संस्थानों के विधि छात्रों सहित प्रतिभागियों की एक प्रभावशाली संख्या ने भाग लिया। विधिक दिमागों के इस विविध समूह ने बौद्धिक कठोरता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माहौल में योगदान दिया।

विषयगत उत्कृष्टता : मूट कोर्ट समस्या ने चुनौतीपूर्ण कानूनी मुद्दों को प्रस्तुत किया, जो समकालीन चिंताओं और विधिक परिदृश्य में हाल के विकास को दर्शाता है। प्रतिभागियों ने जटिल कानूनी समस्याओं को सटीकता और रचनात्मकता के साथ विच्छेदित करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने लिया काउंसलिंग प्रक्रिया का जायजा

स्नातक पाठ्यक्रमों में 1963 अभ्यर्थियों को सीटों का आबंटन, दस्तावेज परीक्षण जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 39 शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के बी.एस.सी. कृषि (ऑनर्स) स्नातक पाठ्यक्रम में नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश हेतु ऑनलाईन काउंसलिंग प्रक्रिया का जायजा लिया। अवलोकन के दौरान कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं काउंसलिंग समिति के अध्यक्ष डॉ. जी.के. दास ने कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल को बताया कि 1963 अभ्यर्थियों को सीटों का आबंटन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 490 अभ्यर्थियों ने दस्तावेज परीक्षण करवा लिया है एवं 87 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन फीस जमा कर दिया है। उन्होंने बताया कि अन्य सीटों हेतु दस्तावेज परीक्षण की प्रक्रिया जारी है। जिन अभ्यर्थियों को सीट आबंटित हुई है उन्हें 23 अगस्त, 2024 के मध्य दस्तावेज परीक्षण हेतु कृषि महाविद्यालय, रायपुर में प्रातः 09:00 से सायं 5:30 बजे तक उपस्थित होना होगा। आबंटित प्रोविजनल सीट को सुरक्षित करने हेतु अभ्यर्थियों को 24 अगस्त, 2024 के मध्य ऑनलाइन फीस जमा करना अनिवार्य होगा।

विकास को गति देने में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का अहम् भूमिका : कलेक्टर

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने कार्यशाला में दी महत्वपूर्ण जानकारी

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री दीपक सोनी की अध्यक्षता में मंगलवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभकक्ष में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, विकसित भारत हेतु महत्वपूर्ण अनिवार्यता विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री सोनी ने कहा कि आज के दौर में प्रतिस्पर्धा हर क्षेत्र में बढ़ा है। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभागीय क्रय -विक्रय में नियमों का पालन करते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। योजना बनाते समय आवश्यक सावधानियों का ध्यान रखा जाना चाहिए। आयोग के नोडल अधिकारी श्री डी.आर. वाधवानी ने आयोग के गठन, संवैधानिक निकाय, कार्य, प्रतिस्पर्धा अधिनियम, हितधारक, विभिन्न संघ, गैर प्रतिस्पर्धा को पहचानने के लक्षण आदि पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एक सांविधिक निकाय है जिसका गठन 2002 में हुआ है।आयोग का कार्यालय नई दिल्ली में स्थित है। आयोग के मुख्य उद्देश्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा संस्कृति को बढ़ावा देना, प्रतिस्पर्धा संस्कृति की निरंतरता बनाये रखना, उपभोक्ता कल्याण में वृद्धि, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हेतु जागरूकता, कारोबार में नवाचार एवं स्वतंत्रता, प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली पद्धतियों पर रोक लगाना है। आयोग के अधिकारों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आयोग कार्टेल को गैर कानूनी घोषित कर सकता है, समन भेजने, सर्च एंड सीज के अधिकार तथा सिविल न्यायलय की भी शक्तियां हैं। गैर प्रतिस्पर्धी टेंडर, बोली में हेरफेर, अतिप्रभावशील स्थिति का दुरूपयोग, प्रतिस्पर्धा रोधी करार को अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा क स्वरुप बताया गया।

आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज का पट्टाचार्य महामहोत्सव का भव्य समारोह का आयोजन 30 अप्रैल से 5 मई 2025 तक इंदौर में

कोल्हापूर (विश्व परिवार)। आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज का पट्टाचार्य महामहोत्सव का भव्य समारोह का आयोजन 30 अप्रैल से 5 मई 2025 तक इंदौर में संभावित है। इसे लेकर समाजजन में हर्ष है।

भारत वर्ष की पावन भूमि सदैव नर रत्नों की जन्म दात्री रही है, जहाँ पर तीर्थंकरों, यतिवरो तथा महापुरुषों ने जन्म लेकर पुरुषार्थ द्वारा, त्याग, तपस्या के माध्यम से अपना आत्म कल्याण किया ।इस श्रंखला में आचार्य श्री विराग सागर जी ने जन्म लेकर इस वसुंधरा को गोरवान्वित किया।

बुंदेलखंड के प्रथम जैनाचार्य आचार्य श्री विराग सागर जी ने जन्म लेकर, इस वसुंधरा को गौरवान्वित किया ।मध्यप्रदेश के दमोह जिले के पथरिया नगर में तब 2 मई 1963 के दिन श्रावक श्रेष्ठी श्री कपूर चंद जी तथा माँ श्यामा देवी के घर यह युग की महान विभूति का अवतरण हुआ, जिसका नाम रखा गया 'अरविन्द' ।बाल अरविन्द जी ने कक्षा पांचवी तक की मौलिक शिक्षा ग्राम पथरिया में ही प्राप्त की और आगे की पढाई करने हेतु सन1974 में ग्यारह वर्ष की आयु में अपने माता पिता से दूर कटनी आये। वहां पर श्री शांति निकेतन दिग. जैन संस्था में 6 वर्ष तक धार्मिक तथा लोकिक शिक्षा ग्रहण की ।लोकिक शिक्षा ग्यारहवीं तक पूर्ण की ।साथ में शास्त्री की परीक्षा भी उत्तीर्ण की ।इस छह वर्ष की कालावधी में अनेक साधू -संतों का समागम प्राप्त हुआ, जो भावी जीवन की नीव डालने में साधनभूत हुआ। अरविन्द जी को मुनिसेवा तथा जिनेन्द्र भक्ति में अत्यधिक आनंद आता था। उनके यही संस्कार धीरे धीरे वृद्धि को प्राप्त होते गए और फिर मुस्कुराते हुए संयम पथ पर पग बढ़ाते हुए अरविन्द जी को देख कर आचार्य श्री सन्मति सागर जी ने 2 फरवरी 1980 में ग्राम बुढार (जिला-शेहडोल, म.प्र.)में क्षुल्लक दीक्षा प्रदान की और उनका नाम श्री 105 क्षु. पूर्ण सागर रखा गया ।उस समय उनकी आयु 17 वर्ष थी।

क्षु. पूर्ण सागर जी महाराज की मुनि बनने की आंतरिक इच्छा थी ।तीन वर्ष बाद ही परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमल सागर जी के संघ का औरंगाबाद नगरी में समागम हुआ और पूर्ण सागर जी की इच्छा फलित हुई ।आचार्यश्री ने 9 दिसंबर 1983 को उनकी मुनि दीक्षा के संस्कार किये और 20 वर्ष की आयु में क्षु. पूर्ण सागर जी मुनि विराग सागर हो गए।

मुनि विराग सागर जी की कठोर साधना तथा गुरु कृपा के मंगल आशीर्वाद के फल स्वरूप श्री सिद्ध क्षेत्र द्रोणगिरी पर 8 नवम्बर 1992 के शुभ दिवस पर समाज एवं विद्वत वर्ग द्वारा आपको महोत्सव पूर्वक आचार्य पद प्रदान किया गया। आचार्य श्री की अपार करुणा, मुख की आभा एवं शरीर की कान्ति से प्रभावित होकर कई श्रावक-श्राविकाए शिष्यत्व ग्रहण कर अपना जीवन आपके चरणों में समर्पित कर निरापद होते है ।विराग वाटिका में सुरभित फूल और कलियाँ खिल रही है ।आचार्य श्री एक सृजनशील गणेषक तथा चिन्तक है। बचपन का संकल्प और मन की शक्ति के बल पर तथा स्थितियों का संयोग इन तीनो के बल पर आचार्य श्री के जीवन को महान बना दिया। आचार्य विराग सागर जी की जन्मस्थली नगर पथरिया में विरागोदय जन तीर्थ की स्थापना कर विरागोदय महा महोत्सव कार्यक्रम जिसमें 350 से ज्यादा मुनि- आर्यिकाओं का सान्निध्य रहा जो स्मरणीय रहा इस महा महोत्सव में हमें प्रतिभा सम्मान समारोह संयोजक के रूप में सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। बुंदेलखंड से बिहार कर महाराष्ट्र के जालना जिले के पास देवमूर्ति ग्राम सिंदखेड़ राजा रोड 4 जुलाई 2024 संलेखना पूर्वक समाधि मरण हुआ। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के बाद आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज की समाधि हुई, इसकी पूर्ति होने मैं समय लगेगा। आगे भी यह श्रमण परंपरा जैन धर्म की प्रभावना करें। आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का पट्टाचार्य महामहोत्सव का भव्य समारोह का आयोजन 30 अप्रैल से 5 मई 2025 तक इंदौर में संभावित है। इसे लेकर समाजजन में हर्ष है।

-श्री अभिषेक अशोक पाटील

वर्ष 2024-2026 के लिए अमर पारवानी कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्विरोध हुए निर्वाचित

एक बार फिर दिल्ली तक पहुँचेगी छत्तीसगढ़ के व्यापारियों की आवाज

रायपुर (विश्व परिवार)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि श्री अमर पारवानी कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गये एक बार फिर दिल्ली तक पहुँचेगी छत्तीसगढ़ के व्यापारियों की आवाज।

श्री अमर पारवानी ने बताया कि अखिल भारतीय स्तर पर कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का नागपुर में चुनाव बैठक आयोजित हुआ। जिसमें व्यापारिक मुद्दो के परिचर्चा के पश्चात् पदाधिकारियों का निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ किया गया। पदाधिकारियो के निर्वाचन में पूरे भारतवर्ष से सभी राज्यों से पदाधिकारियों ने भाग लिया था। चुनाव अधिकारी सी.ए. श्री निखिलेश ठक्कर जी ने सभी प्रत्याशियों के नामाकंन प्रमाण पत्रो की जांच कर और निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण किया। तत्पश्चात् नई टीम की घोषणा की गई, जिसमें श्री बृजमोहन अग्रवाल जी, राष्ट्रीय चेयरमेन, श्री बी.सी. भरतिया जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री प्रवीण खण्डेलवाल जी, राष्ट्रीय महासचिव, श्री अमर पारवानी जी, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं श्री जितेन्द्र गांधी जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गये।

श्री पारवानी आगे बताया कि नई टीम का कार्यकाल 2024 से 2026 तक 2 वर्ष का होगा। उल्लेखनीय हैं उनके द्वारा व्यापारी हित में किए जा रहे कार्यों की बदौलत लगातार उन्हें चौथी बार कैट के राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। इससे पहले वे लगातार दो बार कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हो चुके है। वर्ष 2018 में उन्हें पहली बार कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसके बाद लगातार छत्तीसगढ़ के व्यापारियों की मांग को वे दिल्ली में केंद्र सरकार तक पहुँचाते रहे। एक बार फिर छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर अपनी मांग रखने का मंच मिलेगा।

श्री पारवानी जी के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर कैट राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी.सी.भरतिया एवं राष्ट्रीय महासचिव श्री प्रवीण खण्डेलवाल ने उन्हे हार्दिक शुभकामनाये दी है।

श्री पारवानी जी ने कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित होने का श्रेय प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों एवं सभी व्यापारिक संगठनों एवं कैट सी.जी. चैप्टर पदाधिकारियों एवं सदस्यों को दिया तथा उनका आभार व्यक्त किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13940/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 21-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13940
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757D00133** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOTANZALI MANGLESH UMESH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE SHAILESH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सरिता शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **राजेन्द्र शर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13924/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 21-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13924
वार्ड का नाम-57-पं. भगवती चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR447D00281** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. RAMANUJ SHARMA 2. SMITA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. LATE TEKAN LAL SHARMA 2. RAMANUJ SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **रिया उदासी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अमित उदासी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार नजूल रायपुर (छ.ग.)

रा.मा.क. 202408114300015/22 वर्ष 2023-24
नवीनीकरण पेशी दिनाँक 02/09/2024

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। आवेदक फर्म **रायपुर ट्रांसपोर्ट मोटर कम्पनी लि.मि रायपुर द्वारा डायरेक्टर (1) गुरूदीप सिंग गरचा पिता स्व. नगेन्द्र सिंग गरचा (2) देवेन्द्र सिंह ढिल्लन पिता स्व. अजायब सिंग ढिल्लन निवासी लकडगंज रायपुर** द्वारा इस आशय से आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि ग्राम / मोहल्ला लकडगंज रायपुर स्थित नजूल भूमि ब्लाक न. 98 प्लाट न. 1/3 रकबा 18750 वर्गफुट भूमि का पट्टा आवेदक के नाम पर दर्ज है। पट्टे की अवधि दिनांक 31.03.2008 को समाप्त हो गयी है भूमि का पट्टा को आवेदक द्वारा वर्णित भूमि का पट्टा नवीनीकरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 02/09/2024 तक कलेक्टर कार्यालय रायपुर के कक्ष क्रमांक-07 में पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 16/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायलय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
नजूल रायपुर (छ.ग)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 374 दिनांक 21.08.2024
वार्ड का नाम- खुबचंद बघेल वार्ड
वार्ड क्र. 33 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **33** मांग **पंजी क्र. 69 युआईडी 28140** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बाहरू राम देवांगन/तिजऊ राम देवांगन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **घनश्याम देवांगन/स्व. बाहरूराम देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **20-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 375 दिनांक 21.08.2024
वार्ड का नाम- भारत माता वार्ड
वार्ड क्र. 30 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **30** मांग **पंजी क्र. 24 युआईडी 26752** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **ओंकार वर्मा / वीरसिंग वर्मा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **सहनाज खातून/मोहम्मद जुबैर खातून** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **20-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 376 दिनांक 21-08-2024
वार्ड का नाम- महात्मा गांधी वार्ड
वार्ड क्र. 32 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **32** मांग **पंजी क्र. 203 युआईडी 27746** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **विमला बाई दुबे/ मोती लाल दुबे** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **1. भावना शुक्ला, 2. नीलू शुक्ला 3. चांदनी शुक्ला/कृष्ण कुमार शुक्ला** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **20-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

Ministry Of Micro, Small & Medium Enterprises
Govt. Of India
Khadi India

मधुमक्खी पालन के तहत एक दिवसीय जागरूकता शिविर
मधुमक्खी पालन के तहत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन निम्नानुसार किया जा रहा है-

दिनांक- 22.08.2024 गुरूवार स्थानः- ग्राम पंचायत भवन, सोमाटोला, जिला - मानपुर-मोहला-अंबागढ चौकी (छ.ग.)
समयः- सुबह 10.30 बजे से

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर द्वारा मधुमक्खी पालन के तहत लोगों को जागरूक एवं स्वरोजगार के लिये प्रेरित करने हेतु उपरोक्तानुसार जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जागरूकता शिविर में मधुमक्खी पालन विशेषज्ञ / अनुभवीयों द्वारा मधुमक्खी पालन के बारे में जानकारी दिया जायेगा। अनुसुचित जनजाति के इच्छुक व्यक्ति मधुमक्खी पालन के लिये फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड एवं बैंक पास बुक की छायाप्रति के साथ अपना आवेदन जागरूकता शिविर में जमा कर सकतें है। और अधिक जानकारी के लिये जागरूकता शिविर में आप सभी सादर आमंत्रित है।

निदेशक

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

प्रथम तल, गांधी भवन, केयूर भुषण स्मृति परिसर, कंकाली पारा, रायपुर (छ.ग.) 492001 फोन - 0771-2886428

E-mail :- soraipur.kvic@gov.in Website:www.kvic.org.in

कबीरधाम जिले से पधारे शिवभक्तों की सेवा का अवसर देने के लिए आभार-भावना बोहरा

शिवभक्तों के लिए विधायक भावना बोहरा ने स्वयं भोजना तैयार कीं

कांवड़ यात्रा भारत की धार्मिक और सामाजिक आस्था का प्रतीक है

कबीरधाम(विश्व परिवार)। सावन माह में कबीरधाम जिले से अमरकंटक जाने वाले कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सेवा हेतु विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा 22 जुलाई से 18 अगस्त तक नवनिर्मित पालिका परिषद्, जिला अनुपपुर अमरकंटक (म.प्र.) में निशुल्क भोजन व ठहरने की व्यवस्था की गई थी। इस दौरान कबीरधाम जिले से लगभग आए कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को एक माह में सुबह का नाश्ता एवं दोपहर व रात का भोजन मिलाकर 50,000 से अधिक भोजन की थालियाँ परोस कर उनकी सेवा की गई। वहीं हजारों की संख्या में पधारे कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं का भावना बोहरा की टीम के सदस्यों द्वारा स्वागत कर सेवा की गई। परिसर में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में कबीरधाम जिले से कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं का आगमन जारी रहा वहीं संध्या में होने वाली महाआरती और भजन संध्या में प्रतिदिन हजारों की संख्या में भक्तजनों ने शामिल होकर शिवजी की आराधना कर भोजन एवं प्रसाद ग्रहण किया। समापन के अवसर पर भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारा में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि यह भक्तों की भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था और विश्वास के साथ कांवड़ में जल भरकर उनके जलाभिषेक हेतु सैकड़ों किलोमीटर की कठिन यात्रा करके वो यहां पहुँचते हैं। उनके इसी कठिन यात्रा को सुगम बनाने और उन्हें सात्विक भोजन, विश्राम और कांवड़ यात्रियों की सेवा करने का हमें यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। कबीरधाम जिले से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा था जिन्हें किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो उसके लिए हमारी टीम के सदस्य दिन-रात उनकी सेवा में जुटे रहें जिसके मैं उन सभी का आभार व्यक्त करती हूँ। इस दौरान हमारे इस प्रयास में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से समाज सेवकों व पूरे कबीरधाम जिले की जनता ने अपना भरपूर सहयोग एवं मार्गदर्शन हमें दिया और उनका यही अपार स्नेहरूपी आशीर्वाद से हमें यह कार्य करने का अवसर मिला जिसके लिए मैं उन सभी का भी आभार व्यक्त करती हूँ।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन को 10 हजार से अधिक बहनों ने बांधी स्नेह और विश्वास की डोर

सुबह से दोपहर तक मंत्री के शासकीय निवास में राखी बांधने के लिए बहनों का लगा रहा तांता

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रदेश के वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन को 10 हजार से अधिक बहनों ने प्रेम और विश्वास की डोर बांधकर अपना आशीर्वाद दिया। सोमवार को रक्षाबंधन के पवित्र पर्व पर पर मंत्री श्री देवांगन के पंचवटी के समीप शासकीय आवास डी 1 आयोजित बहनी मन संग राखी के तिहार में सुबह से ही अधिक संख्या में महिलाओं और बहनों का पहुंचना शुरू हो गया था। दोपहर तक 10 हजार से अधिक महिलाओं ने अपने भाई को राखी बांध कर आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने सभी से स्नेह पूर्वक राखी बंधवाई और उनके आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कीभाजपा की सरकार में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी द्वारा सभी बहनों को महतारी वंदन योजना के तहत् प्रतिमाह 1 हजार रूपए दिए जा रहे हैं। महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, वॉर्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, कोरबा मंडल अध्यक्ष परविंदर सिंह, बालको मंडल अध्यक्ष शिवबालक, दर्री मंडल के अध्यक्ष ईश्वर साहू, लक्ष्मण श्रीवास, तुलसी ठाकुर, नारायण ठाकुर समेत अधिक संख्या में भाजपा के महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं।

बाघ के हमले में भैंस और उसके बच्चे की मौत, दहशत में ग्रामीण

बिलासपुर(विश्व परिवार)। अचानकमार टाइगर रिजर्व के कोर जोन में बाघ के हमले से भैंस और उसके बच्चे की मौत हो गई। यह घटना छपरवा गांव के साटा पानी बीट क्रमांक 189-190 के पास बुढ़वा नाला के निकट हुई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और बाघ के पगमार्क मिलने की पुष्टि की। दो दिन पहले तड़के करीब 4 बजे छपरवा गांव में एक बाघ ने भैंस और उसके बच्चे पर हमला कर दिया। दोनों की मौत हो गई। भैंस के मालिक और ग्राम पंचायत छपरवा के सरपंच मनोज यादव ने इस घटना की सूचना अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) प्रबंधन को दी। इसके बाद एसडीओ, रेंजर और सहायक परिक्षेत्राधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और बाघ के पगमार्क की पहचान की। अचानकमार टाइगर रिजर्व में बाघों के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में हुई गणना में रिजर्व में 10 बाघ होने की पुष्टि हुई है। बाघ भोजन की तलाश में लगातार शिकार कर रहे हैं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। साटा पानी बीट में मिले पगमार्क से आशंका जताई जा रही है कि इस क्षेत्र में एक से अधिक बाघ हो सकते हैं। घटना के बाद अधिकारियों ने मौके पर ट्रैप कैमरे लगाए हैं ताकि बाघों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। एसडीओ संजय लूथर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं और पीड़ितों को नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जा रहा है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान में सभी की हिस्सेदारी आवश्यक : डॉ आशुतोष

बैकुण्ठपुर(विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य संपूर्ण समाज को प्रकृति से पुनः जोड़ने के लिए है। कोरिया जिले में भी प्रत्येक आम नागरिक इस अभियान के तहत अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें इसके लिए 22 अगस्त को एक दिवसीय आयोजन पूरे जिले में किया जाना है। इस दौरान प्रत्येक कोरियावासी अपने आस पास किसी उचित स्थान पर एक पौधे को लगाकर अपना दायित्व पूरा करेंगे। जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि इस अभियान में संपूर्ण समाज का दृष्टिकोण रखकर पौधरोपण किया जाना है। जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में वन विभाग, उद्यानिकी और जल जीवन मिशन की टीम के समन्वय से यह कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। एक पेड़ मां के नाम अभियान में सभी की भागीदारी बनाने के लिए 22 अगस्त को एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रामीण, शहरी कोरियावासी एक पौधा लगाकर उसकी सुरक्षा का संकल्प लेते हुए अपनी फोटो सोसल मीडिया पर अपलोड करेंगे। डॉ आशुतोष ने कहा कि पौधा लगाने के बाद कोरियावासी हैशटैग एक पेड़ मां के नाम या श्ध्यड्डह्लड्ड4द्बश्हल्द्धद्गह्ल के साथ अपने लगाए हुए पौधे के साथ ही फोटो लेकर पोस्ट कर सकते हैं। इसके साथ ही सभी नागरिक वेबसाइट पर भी अपनी तस्वीरों को साझा करें जिससे उनके बेहतरीन कार्य को व्यापक प्रसार मिल सके।

फरियादी के आवेदन पर पटना तहसीलदार को कलेक्टर ने लगाई फटकार

कोरिया(विश्व परिवार)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आज जन चौपाल के दौरान कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने एक आवेदन को बारीकी से अध्ययन की। प्रकरण पटना तहसील का था। फरियादी के आवदेन पर पटना तहसीलदार से इस बाबत जानकारी प्राप्त की किंतु तहसीलदार उमेश कुशवाहा का जवाब संतोषप्रद नहीं होने पर कलेक्टर नाराज हुई और जमकर फटकार लगाई। ग्राम करजी, तहसील पटना, निवासी कतवारी लाल विगत डेढ़ साल से कैंसर बीमारी से जूझ रहा है। आवेदिका श्यामपति की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय है। ऐसे में उन्होंने अपने पति के समुचित इलाज के लिए अपने हिस्से के जमीन को बेचकर इलाज कराना चाह रही है। आवेदिका श्यामापति लगातार तहसील कार्यालय, पटना जाकर संयुक्त खाते के जमीन को बंटवारा नामा कराने के लिए लगातार चक्कर लगा रही थी। बीमार से ग्रस्त कतवारी लाल के तीनों बहन नहीं चाहती थी कि जमीन का बंटवारा हो और समय पर इलाज हो, इस बाबत उन्होंने स्थानीय पटवारी योगेश गुप्ता और तहसीलदार उमेश कुशवाहा से सांठगांठ कर मामले को लंबित रखे हुए हैं। तहसीलदार एवं पटवारी की उदासीनता से वे काफी दुखी नजर आई। किंतु इस बार आवेदिका ने कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के समक्ष जन चौपाल पहुंचकर पूरी जानकारी आवेदन के माध्यम से दी। संवेदनशील कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने आवेदन को गंभीरता पूर्वक अध्ययन की और मामले को तत्काल समझ गई। उन्होंने जन चौपाल में ही तहसीलदार उमेश कुशवाहा को जमकार फटकाई लगाई। उन्होंने कहा कि आपको, आम लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए ही नियुक्त किया गया, जबकि आप लोग खुद समस्या खड़े कर रहे हैं। शासन आप लोगों को हर सुविधा मुहैया करा रही है। पीड़ित दर-दर भटक रही हैं, थोड़े से भी मानवीयता नहीं है, इतना संवेदनहीन बन चुके हो। आवेदिका के पति कैंसर जैसे गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं जबकि तहीलदार बंटवारानामा तैयार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने तत्काल इस मामले को निराकरण करने के निर्देश पटना तहसीलदार उमेश कुशवाहा को दिए हैं।

पीडीएस का चावल खरीदने वाले दुकानदारों पर होगी सख्त कार्रवाई : कलेक्टर

चावल बेचने वालों का भी राशन कार्ड होगा निरस्त

बिलासपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर अवनीश शरण ने कहा है कि पीडीएस का चावल खरीदने वाले दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार चावल बेचने वाले का भी राशन कार्ड निरस्त किया जाएगा। कलेक्टर ने इस आशय के आदेश आज इस टीएल की बैठक में दिए। उन्होंने बेसमेंट में संचालित कोचिंग सेंटर और झोलाछाप डॉक्टरों पर भी लगातार कार्रवाई करने कहा। कलेक्टर ने आज टीएल बैठक में लंबित मामले और राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं में प्रगति की समीक्षा की। बैठक में नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, डीएफओ सत्यदेव शर्मा, सीईओ जिला पंचायत आरपी चौहान, एडीएम आर.ए. कुरूवंशी सहित सभी विभागीय अधिकारी मौजूद थे। जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पीएम जनमन योजना शासन की प्राथमिकता वाली योजना है इसके लिए अभियान चलाकर पीव्हीटीजी के हितग्राहियों को सेचुरेशन लेवल हासिल करने तक लाभान्वित किया जाए। इसके लिए 23 अगस्त से 15 दिन का विशेष अभियान चलाने कहा। उन्होंने फोटो युक्त मतदाता सूची के लिए आज से शुरू हुए डोर-टू-डोर सर्वेक्षण कार्य को गंभीरता से करने कहा। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्कूल में कोई अवैध कब्जा है तो सभी एसडीएम तत्परता से कब्जा हटाना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने अनुकंपा नियुक्ति के बचे हुए प्रकरणों पर तेजी से निर्णय लेने के निर्देश दिए। लंबे समय से नदराद अधिकारी-कर्मचारी पर भी शासन के निर्देशानुसार कार्रवाई करने कहा। स्वच्छ भारत मिशन व पर्यटन विभाग के समन्वय से स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग का शुभारंभ किया गया है जिसका उद्देश्य पर्यटन स्थलों में अतिथियों के ठहरने के लिए रिसॉर्टस, होटल, होमस्टे व धर्मशाला जैसी कई अतिथि सत्कार सुविधाएं है जो ग्रामीण क्षेंत्रों में आवास सुविधाएं प्रदान करती है।

दीपका क्षेत्र में बंद गौठानो को पुन: शुरू करने उठ रही मांग

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में भी पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार की महत्वाकांक्षी गोधन संवर्धन योजना शुरू की गई थी, जिसे वर्तमान भाजपा द्वारा बंद कर दिया गया था। इस मामले में प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दीपका के कांग्रेसियों ने राज्यपाल के नाम दीपका मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने मांग की है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में जिन गौठानो का निर्माण किया गया था, उनमें घूमने वाले पशु धन को सुरक्षित रखा गया था। उनके दाना-चारा की उत्तम व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जाती रही थी। इस प्रकार सड़कें सुरक्षित थीं। परंतु अब गौठानो को बंद करने से गोधन सड़क पर घूमते हैं जिससे सड़के असुरक्षित हैं व दुर्घटना की लगातार आशंका बनी रहती है। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त सचिव तनवीर अहमद, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिलीप सिंह, विशाल शुक्ला, सुरजदास मानिकपुरी, केदारनाथ सिंह, अनिता तिवारी, श्रीदेवी नायर, आशदेवी रजक, कृष्णपाल, भरत मिश्रा, शेत मसीह, कमलेश जायसवाल, इश्तेखार अली, बालेंद्र सिंह, तारकेश्वर मिश्रा, खगेश बरेठ आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

वाहन चलाते नाबालिक ने महिला को मारी टक्कर

बिलासपुर(विश्व परिवार)। त्योहार के दौरान एसपी शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने निकले थे, इसी दौरान उनकी गाड़ी को नाबालिग कार चालक ने लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी. उसके बाद वह गाय और महिला को टक्कर मारकर भागने लगा. पुलिसकर्मियों ने पीछा कर कार सहित नाबालिग को पकड़ा. वहीं पुलिस ने नाबालिग के पिता को हिरासत में लिया है और मामले की जांच कर रही है. एसपी रजनेश सिंह इनोवा कार से रक्षाबंधन पर्व में शहर के चौक चौराहों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने निकले थे. उनकी कार रिवरव्यू से निकल रही थी. तभी पीछे से एसेंट कार क्रमांक सीजी 16 सीजे 2902 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए एसपी की इनोवा को टक्कर मार दी. घटना में कार का दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के बाद घबराया नाबालिग भागने की फिराक में तेजी से कार चलाते हुए मवेशी और एक महिला को टक्कर मारते हुए शनिचरी की ओर जाने लगा. वहीं एसपी के निर्देश पर चौक चौराहों पर तैनात पुलिसकर्मियों ने पीछा करते हुए घेराबंदी कर कार चालक को पकड़ा. कार एक नाबालिग चला रहा था. एसपी रजनेश सिंह ने कोतवाली थाना पहुंचकर नाबालिग कार चालक को जमकर फटकार लगाई. उसके बाद नाबालिग के पिता गीताजंली सिटी निवासी विपिन चौहान को हिरासत में लिया गया है.

महिला मोर्चा ने धूमधाम से मनाया सावन महोत्सव

कोरबा(विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने जिला कार्यालय कोरबा में सावन उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया, जिसमें कोरबा जिले के पूर्व सांसद स्व. श्री बंशी लाल महतो की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या महतो का मुख्य अतिथि के रूप में आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमति वैशाली रत्नपारखी के द्वारा सभी बहनों को सावन उत्सव की बधाइयां दी गई। जिला एवं मंडल की सभी बहनों द्वारा कई संस्कृत नृत्य एवं लोक गायन की प्रस्तुति दी इस कार्यक्रम में महिला मोर्चा प्रभारी श्रीमती ज्योति पांडेय, महामंत्री श्रीमती संजू देवी राजपूत, श्रीमती ललिता डिक्सेना, पिछड़ा वर्ग मोर्चा की प्रदेश मंत्री व पार्षद सुश्री रितु चौरसिया, अ.ज.जा. मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सुकरीता कुर्रे, महिला मोर्चा जिला मंत्री श्रीमती रानी यादव, युवा मोर्चा की प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य श्रीमती प्रीति स्वर्णकार, सहित सभी पार्षद एवं मंडल की बूथ स्तर तक की सदस्य उपस्थित रहीं। सभी ने हर्ष और उल्लास से सावन का झूला झूल कर सावन उत्सव मनाया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का कथित लुटेरा पकड़ाया

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के करतला थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग वारदात 1 घंटे के भीतर अंजाम देने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बताया जा रहा हैं की दो लोगों ने मिलकर इन दोनों वारदात को अंजाम दिया था जिनमें से एक कथित आरोपी को पकड़ लिया गया है जबकि दूसरा कथित आरोपी फरार है। जानकारी के अनुसार करतला थाना क्षेत्र के ग्राम सकदूकला निवासी व आंगनबाडी सकदूकला की कार्यकर्ता सुचित्रा चौहान 48 वर्ष 16 अगस्त को अपने निजी कार्य से नोनबिर्रा जाने के लिये घर से करीबन 2.30 बजे दोहपर में पैदल नोनबिर्रा च्वाईस सेंटर जा रही थी। वह मेन रोड से पहले सरई पेड के पास डंगनई दाई पेड़ के पास पहुंची थी, कि उसी समय करीब 3 बजे एक मोटर सायकल में दो व्यक्ति नोनबिर्रा की ओर से आये और आगे बढ़ गये। कुछ दूरी से वापस आकर मोटर सायकल में पीछे बैठा व्यक्ति सुचित्रा के दाहिने हाथ को जिसमें मोबाईल पकड़ी थी धक्का दिया। हमें मोबाईल चाहिए बोलकर धमकाने लगे, मना करने पर नहीं माने और हाथ में रखे मोबाईल को लूटकर करतला की ओर भाग गये। सुचित्रा की रिपोर्ट पर धारा 309(4) ड्ढठ्ठह्य के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। दूसरी घटित घटना में ग्राम कुदमुरा निवासी किसान मनमोहन राठिया 42 वर्ष अपने मोटर सायकल में जिल्गा रोड कछार खार खेत गया था। मोटर सायकल को रोड किनारे खडा कर अपने खेत में काम करने करीबन 3 बजे गया था। रोड से करीबन 200 मीटर की दूरी पर खेत है, खेत से मोटर सायकल दिख रहा था। करीबन शाम 4 बजे एक मोटर सायकल में दो व्यक्ति आये और किसान का मोटर सायकल चालू कर ले भागे। 2 अज्ञात मोटर सायकल चालक के विरुद्ध धारा 3(5), 303(2)-ब्द्गह्य के तहत जुर्म दर्ज कर तलाश शुरू की गई थी। ग्राम कुदमुरा बेरियर पर नाकाबंदी दौरान दो मोटर सायकल चालक पुलिस को देखकर भागने लगे, पीछा कर कथित आरोपी तिलकेजा निवासी को पकड़ा गया। पूछताछ में बताया कि दोनों घटना को अलग-अलग समय पर अपने साथी के साथ किया था। दुसरा व्यक्ति मोटर सायकल को छोड़कर फरार हो गया। कथित आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल एवं प्रार्थीया से लूट की गई मोबाईल एवं चोरी की गईमोटर सायकल को जप्त कर उनको विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर गुरूवार 22 अगस्त 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

चुनौतियों से टकराने से डरता नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से 11वीं बार देश को संबोधित किया। पीएम मोदी के भाषण में कहा गया कि भारत बाधाओं, रुकावटों और चुनौतियों को परास्त करते हुए नये संकल्प के साथ चलने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरे देश का समर्थन मिलना चाहिए। लेकिन आज विपक्ष सरकार की नीतियों और कार्यों को लेकर जिस तरह आक्रामक है, उससे यह लक्ष्य काफी दूर नजर आ रहा है। 2047 तक भारत को विकसित बनाने की राह में भ्रष्टाचार दूसरी सबसे बड़ी बाधा है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने दुख प्रकट करते हुए कहा कि देश में कुछ ऐसे लोग हैं, जो भ्रष्टाचार का महिमामंडन कर रहे हैं। लेकिन प्रधानमंत्री एक ओर भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई जारी रखने की बात कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर उनकी पार्टी में ऐसे राजनीतिक नेता शामिल किए जाते रहे हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। जाहिर है कि ऐसे कृत्यों से जनता में संदेश जाता है कि सरकार कहती कुछ है, और करती कुछ और है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कुछ ऐसे राजनीतिक एजेंडे भी सेट किए जिन पर आने वाले दिनों में सियासत गर्म होगी। उन्होंने कहा कि इस समय देश में जो सिविल कोड है, वह वास्तव में कम्युनल है, भेदभाव करने वाला है। हमें सेक्युलर सिविल कोड की ओर जाना होगा। यूनिफॉर्म सिविल कोड भाजपा का पुराना मुद्दा है। काफी संवेदनशील है और एनडीए के सहयोगी दल जदयू और तेलुगू देशम सिविल कोड को लेकर असहज हो सकते हैं। अन्य विपक्षी दलों में इसे लेकर मतैक्य बनाना आसान नहीं होगा। आने वाले दिनों में ही स्पष्ट होगा कि इस पर सरकार और विपक्ष के बीच सहमति बन पाती है या नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने नाम लिए बिना कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की चर्चा की। कहा कि समाज के तौर पर हमें महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। उन्होंने नई शिक्षा नीति के संबंध में ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करने की बात कही जिससे देश के नौजवानों को विदेश न जाना पड़े। प्रधानमंत्री ने डिफेंस सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। सेना की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश की सेना सर्जिकल स्ट्राइक करती है तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को आश्वस्त किया कि देश तीसरी बड़ी इकॉनमी बनेगा तो मैं तीन गुना गति से काम भी करूंगा। मैं चुनौतियों से टकराने से डरता नहीं हूं क्योंकि आपके और आपके भविष्य के लिए जीता हूं।

देश में नशे की बढ़ती लत से समाज खतरे में

रमेश धवाला

समय की जरूरत है कि सरकार नशे के कारोबारियों के खिलाफ कड़े कानून बनाए। शिक्षण संस्थानों में 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू-गुटखा बेचने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा एनजीओ, धार्मिक संगठनों, सिविल सोसाइटीज, पंचायतों, शहरी निकायों, स्टूडेंट्स यूनियनों, यूथ क्लबों, नेहरु युवा क्लबों, शिक्षकों को तन-मन-धन से नशे के खिलाफ सहयोग करना चाहिए। जब स्टूडेंट्स कॉलेज-यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेते हैं तो उनको नशे के खिलाफ वर्कशॉप और ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स में विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए समाज के बदलते परिवेश में कुछ अलग करने की कामना, मानसिक तनाव और बहुत से शौक ऐसे कारण हैं जो नशे के प्रचलन को समाज में बढ़ा रहे हैं। इसका ज्यादातर शिकार हमारी युवा पीढ़ी हो रही है। वर्तमान में नशा युवाओं के लिए फैशन बन गया है, जो दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। नशे का हानिकारक प्रभाव न केवल नशा करने वाले व्यक्ति पर पड़ता है, अपितु यह पूरे परिवार और समाज को भी खोखला करने का काम करता है। एक समय हिमाचल को बदनाम करने वाले भांग, अफीम और चरस जैसे खतरनाक नशे की जगह अब चिट्टे ने ले ली है। चिट्टा वास्तव में एक बहुत ही खतरनाक ड्रग्स है। हिमाचल का शायद ही कोई ऐसा जिला होगा जहां पर पुलिस द्वारा चिट्टे की बरामदगी न हुई हो, खासकर सीमांत जिलों कांगड़ा, ऊना एवं सोलन जैसे जिलों में चिट्टे का सर्वाधिक प्रकोप है, जो कि कई युवाओं के जीवन को निगल चुका है। अक्सर नशेड़ी आदमी को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आर्थिक रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ता है। फिर भी न चाहते हुए भी वे इस लत से छुटकारा नहीं पा सकते। वर्तमान में हालात ऐसे बन चुके हैं कि स्कूल, कॉलेज एवं यूनिवर्सिटीज में पढने वाले विद्यार्थी नशाखोरी की चपेट में आने लगे हैं। नशा माफिया छात्रों को किसी तरह से बहला-फुसला कर नशे की लत लगा देता है और जब ये छात्र इस महंगे नशे को खरीदने में असमर्थ हो जाते हैं तो नशा माफिया इन बच्चों को नशा तस्करी के दलदल में धकेल देता है। अभी कुछ समय पहले ही एनआईटी हमीरपुर में कई छात्र इस नशाखोरी के चक्कर में पकड़े गए थे। आजकल आधुनिकता की दौड़ में संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार को तरजीह दी जा रही है। ऐसे में बच्चों में अकेलापन, सामाजिकता का अभाव इत्यादि के कारण बच्चों में नशे की तरफ रुचि बढ़ जाती है। अगर एकल परिवार का लडका या लडकी नशे के जाल में फंसते हैं तो उस परिवार का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाता है। अक्सर देखने में आता है कि नशे में पड़ा छात्र झूठ बोलने लगता है एवं अपने परिवार, दोस्तों, रिश्तेदारों और समाज को धोखा देने लगता है। नशे के लिए पैसे का जुगाड़ करने के लिए चोरी, डकैती, अपने ही घर का सामान बेचना जैसी खबरें हम आए दिन अखबारों में पढ़ते रहते हैं। एक बार सिंथेटिक ड्रग्स की लत लग जाए तो इस नशे को छोड़ पाना इतना आसान नहीं होता। इसकी लत इतनी खतरनाक होती है कि अगर व्यक्ति को नशा न मिले तो यह नशेड़ी की मौत का कारण बन जाता है। आज जरूरत है समाज में इस दानव रूपी नशे के कारोबार को खत्म किया जाए। सरकारें भी इसके लिए प्रयासरत हैं, लेकिन इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका परिवार की होती है। माता-पिता अपने बच्चों की परवरिश करते समय अगर बच्चे की छोटी-मोटी गतिविधियों पर नजर नहीं रखेंगे तो बच्चे गलत संगत में पड़ कर नशे का शिकार बन सकते हैं। कई बार अपनी विधानसभा या हिमाचल के किसी और क्षेत्र में जाता हूं तो स्कूल-कॉलेज के छात्र सिरगेट के धुएं के छल्ले उड़ाते दिखते हैं, तो मन में पीड़ा होती है। कई बार गाड़ी रोककर ऐसे बच्चों को समझाने का भी प्रयास करता हूं। समय की जरूरत है कि सरकार नशे के कारोबारियों के खिलाफ कड़े कानून बनाए। शिक्षण संस्थानों में 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू-गुटखा बेचने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा एनजीओ, धार्मिक संगठनों, सिविल सोसाइटीज, पंचायतों, शहरी निकायों, स्टूडेंट्स यूनियनों, यूथ क्लबों, नेहरु युवा क्लबों, शिक्षकों को तन-मन-धन से नशे के खिलाफ सहयोग करना चाहिए। जब स्टूडेंट्स कॉलेज-यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेते हैं तो उनको नशे के खिलाफ वर्कशॉप और ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स में विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए। सरकारों को युवाओं के लिए अवसर, खेलों एवं रोजगार की तरफ विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए, ताकि युवा अपनी एनर्जी और क्रिएटिव पावर्स का समाज और देशहित में प्रयोग कर सकें। पंजाब का उदाहरण हमारे सामने है। पंजाब अब उड़ता पंजाब कहलाता है। वहां पर नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण वह अब खेलों में भी पीछे हो गया है। वास्तव में जरूरत इस बात की है कि जब बच्चे अपनी किशोरावस्था में हों तो उन पर माता-पिता को कड़ी नजर रखनी चाहिए। इसी अवस्था में बच्चों के फिसल जाने की आशंका बहुत होती है। जब बच्चे युवा हो जाते हैं, तब तक वे समझदार बन चुके होते हैं, उस अवस्था में नशे की ओर वे नहीं बढ़ते। युवाओं का मानस खेलों की ओर मोडना चाहिए। खेलों से वे अपने समय का सदुपयोग ठीक ढंग से कर पाएंगे, नशे से भी दूर रहेंगे और अपना शारीरिक-मानसिक विकास भी कर पाएंगे। समय की जरूरत है कि सरकार नशे के कारोबारियों के खिलाफ कड़े कानून बनाए। शिक्षण संस्थानों में 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू-गुटखा बेचने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा एनजीओ, धार्मिक संगठनों, सिविल सोसाइटीज, पंचायतों, शहरी निकायों, स्टूडेंट्स यूनियनों, यूथ क्लबों, नेहरु युवा क्लबों, शिक्षकों को तन-मन-धन से नशे के खिलाफ सहयोग करना चाहिए। जब स्टूडेंट्स कॉलेज-यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेते हैं तो उनको नशे के खिलाफ वर्कशॉप और ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स में विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए समाज के बदलते परिवेश में कुछ अलग करने की कामना, मानसिक तनाव और बहुत से शौक ऐसे कारण हैं जो नशे के प्रचलन को समाज में बढ़ा रहे हैं। इसका ज्यादातर शिकार हमारी युवा पीढ़ी हो रही है। वर्तमान में नशा युवाओं के लिए फैशन बन गया है, जो दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। नशा ऐसी बुरी आदत होती है जो अपने साथ कई अपराध लेकर आती है। जब नशेडियों को नशा नहीं मिलता तो वे चोरी-डकैती की ओर बढ़ते हैं। इससे समाज में असामाजिक तत्वों की संख्या बढने लगती है और समाज में तनाव तथा अशांति का माहौल बनने लगता है। ऐसा भी माना जाता है कि पूरे विश्व में इतने लोग युद्धों में नहीं मरते, जितने नशे के कारण मर जाते हैं। युवा पीढ़ी में शराब, गुटखा, स्मोकिंग, अफीम, चरस, हेरोइन, स्मैक तथा कई अन्य नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन समाज को एक खतरनाक दिशा की ओर ले जा रहा है। इस विषय में तुरंत जागरूक होने की जरूरत है।

आलेख

कठोर दंड देने का भी प्रावधान बनाना चाहिए

रजनीश कपूर

बीते सप्ताह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विधान सभा में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश किया गया। इस बिल को विधान सभा में तो पास कर दिया गया परंतु उत्तर प्रदेश विधान परिषद में इसका भारी विरोध हुआ जिसके चलते बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी की मांग पर इसे सदन ने पास करने की जगह प्रवर समिति को भेजने का फैसला लेकर इसे फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया। उत्तर प्रदेश में कड़े फैसले लेने के लिए मशहूर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लिया गया यह निर्णय सही जरूर प्रतीत होता है, परंतु जिस तरह इस विधेयक का विरोध उन्हीं की पार्टी द्वारा किया जा रहा है, तो ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में शायद कुछ संशोधन के साथ इसे पुनः पेश किया जाए। उल्लेखनीय है कि जिस भी जमीन का कोई वारिस न हो और वो सरकार के अधीन हो, उसे नजूल जमीन कहते हैं। गौरतलब है कि औपनिवेशिक शासन में अंग्रेजों द्वारा भारत में बड़ी संख्या में जमीनों पर कब्जा किया गया था, लेकिन आजादी के बाद जिस भी नागरिक के पास उसकी जमीन के दस्तावेज थे उन्हें उनकी जमीन वापस मिल गई, परंतु ऐसी कई जमीनें थीं जिनकी मिल्कियत के प्रमाण या जीवित स्वामी उपलब्ध नहीं थे। ऐसी जमीनों को सरकार ने अपने पास रखा, जिसे नजूल जमीन कहा गया। आजादी के बाद इस नजूल जमीन पर यदि कोई रह रहा था तो उससे सरकार ने किराया वसूलना शुरू किया और उस जमीन को लंबे समय के लिए लीज पर देना शुरू कर दिया। इसके बावजूद ऐसी कई नजूल जमीनें हैं जिन पर लोग अवैध कब्जा कर रह रहे हैं, परंतु जैसे ही उत्तर प्रदेश में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश हुआ, तो सरकार ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि जिस-जिस नजूल जमीन पर लोग गैरकानूनी ढंग से रह रहे हैं या जिन नजूल जमीनों की लीज का किराया सरकार को नहीं दिया जा रहा, उस नजूल जमीन को उत्तर प्रदेश की सरकार वापस ले लेगी और इस भूमि को सरकारी विकास कार्य के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। योगी जी द्वारा उठाया गया ये कदम सही था, परंतु विपक्ष को इस बात पर शक है कि विकास कार्य के नाम पर कहीं प्रदेश की लाखों करोड़ की हजारों एकड़ जमीन को अपने खास चुनिंदा लोगों के बीच बांट दिया जाएगा। इतना ही नहीं भाजपा के विधायक भी इस अधिनियम के विरोध में उतर आए हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में ऐसी कई जमीनें हैं जिन पर शागिर्द-पेशा वाले परिवार रह रहे हैं, जो सदियों से वहां रह रहे हैं, परंतु उनके पास कोई भी प्रमाण नहीं है। ऐसे में उनका क्या होगा? कई भाजपा विधायकों का तो यह भी कहना है कि एक तरफ तो प्रधानमंत्री आवास योजना से बेघर लोगों को घर दिए जा रहे हैं और वहीं दूसरी ओर जो गरीब दशकों से यहां रह रहे हैं उन्हें बेघर किया जा रहा है। तो भला ऐसे बिल का क्या औचित्य? जैसे ही इस अधिनियम पर राजनीति तेज हुई विपक्ष भी खुलकर सामने आया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर इसका विरोध जताते हुए लिखा, 'नजूल लैंड का मामला पूरी तरह से 'घर उजाड़ने' का फैसला है क्योंकि बुलडोजर हर घर पर नहीं चल सकता है। जनता को दुख देने में भाजपा अपनी खुशी मानती है। जब से भाजपा आई है, तब से जनता रोजी-रोटी-रोजगार के लिए भटक रही है, और अब भाजपाई मकान भी छीनना चाहते हैं। क्या भू-माफियाओं के लिए भाजपा जनता को बेघर कर देगी? अगर भाजपा को लगता है कि उनका ये फैसला सही है तो हम डंके की चोट पर कहते हैं, अगर हिम्मत है तो इसे पूरे देश में लागू करके दिखाएं क्योंकि नजूल लैंड केवल यूपी में ही नहीं पूरे देश में है।' देखा जाए तो इस अधिनियम के विरुद्ध हो रहे विवाद में भाजपा और विपक्षी नेताओं का एतराज सही है। यदि सरकार को ऐसा अधिनियम लाना ही था तो उसे नजूल भूमि पर सदियों से बसे हुए परिवारों को पुनर्वास करने की योजना भी बनानी चाहिए थी। इसके हर पहलू पर गहन विचार के बाद ही इसे पेश किया जाना चाहिए था। चूंकि उत्तर प्रदेश और केंद्र दोनों ही जगह भाजपा की सरकार है तो योगी जी को प्रधानमंत्री मोदी से इस पर चर्चा करनी चाहिए थी।

इतिहास में अनेक उतार-चढ़ाव आते रहे

भारत डोगरा

इतिहास को कई बार राजा-रानियों के इतिहास और विभिन्न शासकों के आपसी युद्धों के संदर्भ में अधिक देखा जाता है। इससे कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण यह समझ बनाना है कि इतिहास के किस दौर में मनुष्य ने, जनसाधारण ने बेहतर प्रगति की और कब वे पीछे हटे। उनके आगे बढ़ने या पिछड़ने के क्या कारण थे। यह समझना बहुत आवश्यक है। प्रायः मान लिया जाता है कि समय के साथ-साथ मनुष्य ने प्रगति अवश्य की होगी क्योंकि जैसे-जैसे विभिन्न आविष्कार होते गए, वैसे-वैसे मनुष्य की क्षमताएं बढ़ती गई होंगी। यह इतिहास की बहुत संकीर्ण व्याख्या है जो प्रगति की सही समझ पर आधारित नहीं है। मान लीजिए कि विज्ञान ने प्रगति की, नये आविष्कार हुए पर इन सबका दुरुपयोग ऐसे हुआ कि युद्ध महाविनाशक हथियारों से लड़े जाने लगे और पर्यावरण का बहुत विनाश होने लगा। तो इसे प्रगति कैसे माना जा सकता है? वास्तव में मनुष्य की प्रगति तो तब मानी जाएगी जब न्याय और समता, अमन-शांति, पर्यावरण और अन्य जीवों की रक्षा, परस्पर सहयोग और समन्वय की स्थितियां बेहतर होंगी। अतः इतिहास के विभिन्न दौरों में हमें यह देखना होगा कि ऐसी स्थितियां आगे बढ़ती हैं या नहीं। मनुष्य आज जिस रूप में है, उससे मिलती-जुलती स्थिति में मनुष्य की मौजूदगी लगभग एक लाख वर्ष पूर्व दर्ज हुई है। यह कुछ कम अधिक भी हो सकती है पर मोटे तौर पर हम कह सकते हैं कि लगभग एक लाख वर्ष पहले हमारे जैसे मनुष्य धरती के अनेक भागों पर नजर आने लगे थे। दूसरी ओर, एक स्थान पर रह कर कृषि की शुरुआत लगभग 10 हजार वर्ष पूर्व ही आरंभ हुई। इस तरह अपने एक लाख वर्ष के इतिहास के पहले 900 वर्षों में मनुष्य की मूल प्रवृत्ति यह थी कि वह छोटे समूहों में रहते थे और अधिकतर फल-फूल, कंद-मूल एकत्र कर और अवसर मिलने पर छोटा-बड़ा शिकार कर पेट भरते थे। आसपास उपलब्ध संसाधनों से वस्त्र और आवास की आपूर्ति कर लेते थे और मामूली औजार बना लेते थे। अधिक महत्त्वपूर्ण बात यह थी कि ये समुदाय समता और सहयोग पर आधारित थे और उनमें ऊंच-नीच नहीं थी। अपनी जरूरतों को एकत्र करने में एक समुदाय के विभिन्न परिवार और व्यक्ति एक दूसरे के साथ सहयोग करते थे और जो भोजन एकत्र करते थे उसे मिल-बांटकर खाते थे। महिलाओं को सम्मान मिलता था और उनसे जोर-जुल्म नहीं होता था। कोई राजा या गुलाम नहीं था। विभिन्न समुदायों में भी आपसी युद्ध नहीं होता था और एक स्थान पर खाद्य उपलब्ध न होने पर कोई समुदाय दूसरे से लड़ने के स्थान पर दूसरे स्थान पर चला जाता था। मूल प्रवृत्ति घुमंतुपन की ही थी। अतः इसमें किसी को कोई बड़ी दिक्कत भी नहीं थी। यह सब इसलिए भी समझना है क्योंकि कई बार बड़ी लापरवाही से कह दिया जाता है कि लड़ने-झगड़ने, छीना-छपटी और दूसरों को दबाकर रखने की मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति ही है। अतः यह जोर देकर कहना चाहिए कि मनुष्य के इतिहास के पहले 90 प्रतिशत समय में युद्ध, छीना-छपटी, लड़ाई-झगड़े, दूसरों को दबा कर रखना, ऊंच-नीच, राजा-प्रजा ये सब प्रवृत्तियां मनुष्य में नहीं थीं (या बहुत कम थीं) जबकि सहयोग, समता, मिल-बांटकर खाने, अमन-शांति से रहने की प्रवृत्तियां कहीं अधिक थीं। यह एक बड़ी विडंबना है कि जिस समय मनुष्य इस घुमंतु और सादे जीवन के दौर से निकल कर ऐसे दौर में आया जिसे 'सभ्यता' या सिविलाइजेशन कहा जाता है तभी से मानव-जीवन में ऊंच-नीच, दूसरों को दबाने और शोषण की प्रवृत्ति, युद्ध और लड़ने-झगड़ने की प्रवृत्ति भी अधिक आ गई। ऐसा कैसे हुआ? घुमंतु और आस-पास से भोजन एकत्र करने के दौर में ही मनुष्य ने पौधे उगाना सीखा और फिर धीरे-धीरे गांव बसा कर खेती करने लगा। कुछ समय तक यह मजे से चला पर सूखा पड़ने पर फसल सूख जाती थी। अतः भंडार बनाने की जरूरत महसूस हुई और फिर ये भंडार बढ़ने लगे। इन भंडारों की व्यवस्था कौन करे? इसके लिए कहीं पर पूजा-पाठ करने वाले आगे आए तो कहीं सैन्य क्षमता वाले। पहले उन्होंने व्यवस्था की, फिर भंडार अपने नियंत्रण में लिए, फिर साधारण किसानों से इसके लिए वसूली की। जहां भंडार अधिक समृद्ध हो गए, उस पर ऐसे लोगों की नजर पड़ी जिनके पास भंडार नहीं थे और उन्होंने ताकत के बल पर इन भंडारों को लूटने का प्रयास किया। इस तरह ऊंच-नीच, शोषण, छीना-छपटी, यृद्ध, राजा-प्रजा की प्रवृत्तियां बढ़ने लगीं। जब गांव और कृषि की उत्पादकता बढ़ी और आधिपत्य करने वालों ने किसानों से अधिक हिस्सा प्राप्त किया और इसके बल पर धीरे-धीरे शहरी सभ्यताओं की ओर बढ़े पर इन सभ्यताओं के पनपने और उनकी समृद्धि के साथ असमानता और शोषण भी बढ़ गए और शासक वर्ग अपनी विलासिता पर ही नहीं अपने भवनों और मकबरों पर भी अत्यधिक संसाधन खर्च करने लगे। इन्हें अंत में किसानों और मेहनतकशों के शोषण से प्राप्त किया। चंद सभ्यताओं की समृद्धि बढ़ी तो उन पर बाहरी हमले भी बढ़ने लगे और इन युद्धों के बंदियों को गुलाम भी बनाया जाने लगा। दूसरी ओर, जब जोर-जुल्म बढ़े तो इससे परेशान लोगों में नये सिरे से अमन-शांति, समानता और सादगी के लिए गहरी चाह उत्पन्न हुई। और इसके फलस्वरूप कभी महात्मा बुद्ध के रूप में तो कभी महावीर जैन के रूप में अहिंसा, अमन-शांति, सादगी और सद्विचार का संदश देने वाले महान मार्गदर्शकों ने नई राह दिखाई। यहां तक कि सम्राट अशोक जैसे महान विजेता शासक ने भी एक बड़ी विजय के बाद अमन-शांति की राह अपनाने में ही संतोष प्राप्त किया। दूसरी ओर, प्राचीन सभ्यताओं के विकास में जो रोमन साम्राज्य सबसे अधिक विस्तारवादी और पराक्रमी होने का गौरव रखता था, जिसकी सड़कों और भवनों का वैभव दूर-दूर तक विख्यात था, उस रोम साम्राज्य में ही गुलाम प्रथा, शोषण, विषमता, विलासिता, बुरे व्यसनों और चरित्र की गिरावट की भी पराकाष्ठा देखी गई।

इतिहास में गुमनाम जंगे आजादी के योद्धा....

प्रताप सिंह पटियाल

उन क्रांतिवीरों के नाम पर कोई बड़ा शिक्षण संस्थान, खेल स्टेडियम या राष्ट्रीय राजमार्ग भी नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या बर्तानिया हुकूमत के खिलाफ लडने वाले वजीर राम सिंह पठानिया, मेजर दुर्गामल व कैप्टन दल बहादुर के बलिदान से युवा पीढ़ी परिचित है बर्तानिया सल्तनत की दो सौ वर्षों की गुलामी के बाद हिंदोस्तान की करोड़ों आवाम ने 15 अगस्त 1947 को जश्न-ए-आजादी का इजहार किस कदर किया था, आजादी की मंजर-ए-शब के उन खूबसूरत लम्हों को लफ्जों में बयान नहीं किया जा सकता। पंद्रह अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। यौम-ए-आजादी के मौके पर देश के सभी राज्यों में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन होगा। देशभक्ति के नगमों की सरगम गूंजेगी। जंगे आजादी में अंग्रेजों से लोहा लेने वाले कुछ इंकलाबी चेहरों तथा आजादी की तहरीक में शमूलियत अख्तियार करने वाले सियासी रहनुमाओं का जिक्र समाचार पत्रों से लेकर न्यूज चैनलों तक होगा। लेकिन सन् 1947 से पूर्व जब मुल्क की आवाम ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध आजादी के लिए जद्दोजहद कर रही थी, उस वक्त मौजूदा पाकिस्तान व बांग्लादेश भी हिंदोस्तान का ही हिस्सा थे। उस समय अविभाजित भारत की जनसंख्या लगभग चालीस करोड़ से अधिक थी। अत: विवेचना इस विषय पर भी होनी चाहिए कि बर्तानिया से तशरीफ लाए चंद अंग्रेजों ने अविभाजित भारत की लगभग 584 रियासतों तथा करोड़ों आवाम को अपना गुलाम कैसे बना लिया था। विश्व प्रसिद्ध भारतीय शिक्षा प्रणाली से लेकर तमाम व्यवस्थाओं पर अंग्रेजी निजाम किस तरीके से काबिज हो गया। हिंदोस्तान की सरजमीं पर बर्तानिया सल्तनत की संगे बुनियाद इतनी मजबूत कैसे हुई थी कि उसको उखाडने के लिए एक मुद्दत तक जद्दोजहद करनी पड़ी। गुलामी की उन जंजीरों को तोडने के लिए कई इंकलाबी तहरीकें चली, सैंकड़ों विद्रोह हुए। हजारों की तादाद में आजादी के परवानों ने शहादत को गले लगा लिया। अंग्रेजों के खिलाफ सन् 1857 का विद्रोह भी हुआ जिसे भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा जाता है। वह आखिर असफल कैसे हुआ? देश के मुस्तकबिल युवा पीढ़ी को अपने मुल्क के उस निजाम की नाकामी से भी मुखातिब करवाना चाहिए। भारत के लाखों सैनिकों ने 'ब्रिटिश इंडियन आर्मी' का हिस्सा बनकर अंग्रेज बादशाही के लिए पहला विश्व युद्ध (1914-1918) इस उम्मीद से लड़ा था कि जंगे अजीम में बैरूने मुल्कों के महाज पर अंग्रेजों को जीत दिलाकर बर्तानिया का परचम बुलंद करेंगे तो युद्ध समाप्ति के पश्चात शायद अंग्रेज हुकूमत से भारत आजाद हो जाएगा। प्रथम विश्व युद्ध में सत्तर हजार से अधिक भारतीय सैनिक विदेशी भूमि पर शहीद हुए। हजारों सैनिक बुरी तरह जख्मी हुए। ग्यारह भारतीय सैनिकों ने 'विक्टोरिया क्रॉस' जैसा सर्वोच्च वीरता पदक अपने नाम करके दुनिया को अपनी दास्तान-ए-सुजात से मुखातिब करवाया था। लेकिन लाखों सैनिकों की कुर्बानियों के बावजूद भारत को आजादी नसीब नहीं हुई। सन् 1939 में दूसरी जंगे अजीम का आगाज हो गया। ब्रिटिश साम्राज्य के परचम तले लाखों भारतीय सैनिक दोबारा उसी उम्मीद से रणभूमि में भेजे गए। मगर दूसरी जंगे अजीम के दौरान हजारों भारतीय सैनिक अंग्रेजों से बगावत करके 'सुभाष चंद्र बोस' के नेतृत्व में 'आजाद हिंद फौज' का हिस्सा बन गए। राष्ट्रवाद के जज्बात रखने वाले आजाद हिंद फौज के हजारों सैनिक वतन-ए-अजीज की आजादी के लिए बलिदान हुए, लेकिन आजाद हिंद फौज को देश की तत्कालीन सियासी जमातों का समर्थन हासिल नहीं हुआ। जंगे आजादी के लिए कोई तहरीक हो, सशस्त्र संघर्ष या आजाद हिंद फौज की कुर्बानियां, वीरभूमि हिमाचल प्रदेश के रणबांकुरों का जिक्र किए बिना आजादी का इतिहास भी अधूरा रहेगा।

आजादी के लिए सन् 1857 के विद्रोह तथा सन् 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' पर शैक्षिक पाठ्यक्रम से लेकर सियासत तक खूब चर्चा होती है, लेकिन क्या मुल्क की आवाम को इस बात का ईल्म है कि सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से दस वर्ष पूर्व 'नूरपुर' रियासत के वजीर 'राम सिंह पठानिया' ने सन् 1846 में अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष को अंजाम देकर अपने फौलादी इरादे जाहिर कर दिए थे। राम सिंह पठानिया के नेतृत्व में नूरपुर रियासत के युवा सैनिकों द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की उस चिंगारी ने भारत को मुस्तकबिल में आजादी की राह दिखाई थी। मगर अपनी ताकत-ए-परवाज से अंग्रेज हुकूमत की बुनियाद हिलाने वाले राम सिंह पठानिया की शूरवीरता का जिक्र किसी राष्ट्रीय न्यूज चैनल या राष्ट्रीय राजनीति के मंच पर कभी नहीं हुआ। नतीजतन स्वतंत्रता का ध्वजारोहण करने वाले रणबांकुरे के शौर्य पराक्रम पर गुमनामी का तमस छा गया। जश्न-ए-आजादी के मौके पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का संबोधन हमेशा चर्चा का मरकज बनता है। मगर आजाद हिंद फौज के हिमाचली जांबाज मेजर 'दुर्गामल' तथा कैप्टन 'दल बहादुर थापा' को अंग्रेजों ने युद्धबंदी बनाकर इसी लाल किले में फांसी की सजा दी थी।

संक्षिप्त समाचार

आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी महाराज ने कहा- ज्यादा सोचना भी एक जहर है

कुलचाराम हैदराबाद (विश्व परिवार)। ज्यादा सोचना भी एक जहर है, जीने के लिए क्योंकि बहुत मुश्किल है मरने तक, जिन्दा रहने के लिए। आदमी अपने मन और बुद्धि के कारण से ही परेशान और दु:खी है। आदमी का चंचल मन और ज्यादा बुद्धि होने की खुजलाहट ही जीवन के अस्तित्व के लिए खतरा बनती जा रही है। किसने सोचा था कि हमारी बुद्धिमत्ता ने अपना कृत्रिम रूप बनाकर ही खतरा मोल ले लिया, , मतलब -- बन्दर के हाथ में छुरी देना। आज 03 साल के बच्चे से लेकर, 93 साल तक के बुजुर्ग बाबा जी को मोबाइल की बिमारी ने कसकर पकड़ लिया है। इसलिए कह रहा हूँ कि आज भौतिक, आधुनिक, कृत्रिम संसाधनों ने, , हमारे घर, परिवार, समाज और देश की सुख शान्ति खत्म करके, आदमी को अमृत सा जहर देकर संस्कारों की हत्या, माता पिता के प्रति गैर जिम्मेदारी और सम्पूर्ण मानव जाति के लिए खतरा, एवं जीवन की सारी प्राइवेसी खत्म सी कर दी है। आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई) का इस्तेमाल शुरू ही हुआ है, कि इसे लेकर तमाम तरह की चिन्तायें - आशांकाएं सामने आने लगी है। जैसे 9 आज का आदमी चिन्ताओं से घिरा, कर्ज में डूबा, डॉक्टर और वकील के जाल में फंसा और समय से पहले बुजुर्ग कर दिया और भौतिक, आधुनिक, कृत्रिम संसाधनों के गलत इस्तेमाल की चिन्ताओं व आशंकाओं ने आप हमको सोचने को मजबूर कर दिया कि राम जाने क्या होगा आगे। **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल**

राष्ट्रीय जीवदया पर्यावरण यात्रा व अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 23, 24 और 25 अगस्त 2024

अहमदाबाद (विश्व परिवार)। समस्त महाजन द्वारा 23, 24 और 25 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय जीव दया पर्यावरण यात्रा व अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। गुजरात के धर्मज, अहमदाबाद, भाभर एवम राजस्थान के सिरोही पावापुरी में यह तीन दिवसीय आयोजन होगा।यह सेमिनार पर्यावरण संरक्षण और जीवों के प्रति दया भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस सेमिनार में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, पर्यावरणविद्, जीवदया प्रेमी, गोशाला संचालक और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसमें पर्यावरण प्रदूषण के कारण और निवारण, जीव विविधता, जीवों के संरक्षण और उनके आवासों की सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन एवम इसके प्रभाव और इससे निपटने के उपाय, गौ संवर्धन, गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने, स्वदेशी अहिंसक कृषि पद्धति, जल संचयन, गोचर संवर्धन से गोपालन, पंचगव्य गौउत्पाद निर्माण, देसी पेड़ों व भारतीय प्राचीन जीवन शैली से स्वस्थ पर्यावरण जैसे विभिन्न के विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह सेमिनार पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने और उन्हें सक्रिय रूप से इसमें योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। समस्त महाजन संस्था के मैनेजिंग ट्रस्टी गिरीश भाई शाह से, राजस्थान संपर्क प्रमुख रविंद्र कुमार जैन से अखिल जैन पदम डाकलिया छत्तीसगढ़ से संपर्क करके इस सेमिनार के लिए पंजीकरण करवाया जा सकता है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के गौ सेवा गतिविधि राष्ट्रीय प्रमुख एवं राष्ट्रीय पर्यावरण प्रमुख भी इसमें मार्गदर्शन देने के लिए उपस्थित रहेंगे। भारत सरकार के भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के सदस्य तथा पशु कल्याण प्रतिनिधि भी इसमें भाग लेंगे। पर्यावरण एवं गौसेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले देशभर के विभिन्न संत महात्माओं का भी इसमें सानिध्य मिलेगा।

वास्तव में धर्मी वही जो पाप से डरता है: मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में जारी चातुर्मासिक प्रवचन माला में मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने बुधवार को पाप भीरुता गुण को ग्रहण करने की शिक्षा दी। मुनिश्री ने कहा कि वास्तव में धर्मी वही है जो पाप से डरता है। व्यक्ति के जीवन में पाप का डर होना ही चाहिए। जो पाप से डरता नहीं है वह अधर्मी होता है। मुनिश्री ने कहा कि ऐसा कार्य मत करो जिसमें जीव हिंसा हो, त्रस्त जीव की विरागना हो। व्यक्ति को पाप का व्यापार नहीं करना चाहिए और कम से कम पाप के अंदर आपका व्यापार हो यह विचारना चाहिए। पाप भीरुता का गुण आपके जीवन से चला जाए तो धर्म कभी प्राप्त नहीं हो सकेगा। पाप का डर आपको बहुत से पाप करने से रोकता है। पाप का डर यदि आपके जीवन में नहीं होगा तो सारे के सारे गुण अपना प्रभाव नहीं दिखा पाएंगे। जीवन में पाप का डर अवश्य होना चाहिए। जीवन में पाप का डर आएगा तो पाप नहीं होगा। बच्चों के हित चिंतक बनों, सुख चिंतक नहीं- मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी : मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा ने आज की प्रवचनमाला में कहा कि वास्तव में तीर्थंकर परमात्मा ही हमारे हित चिंतक हैं। जो किसी का शॉर्ट टर्म का भला सोचे वह सुख चिंतक होता है और जो लॉन्ग टर्म का भला सोचे वह हित चिंतक होता है। आज माता-पिता अपने बच्चों को किस राह पर ले जा रहे हैं ? छोटी-छोटी उम्र के बच्चों के हाथ में मोबाइल हैं। थोड़ा बड़ा होता है तो महंगे गैजेट्स, व्हीकल तरह-तरह की चीज दे देते हैं, थोड़ा बड़ा होता है तो अलग कमरा दे देते हैं और थोड़े और बड़े होने पर पर्सनल स्पेस दे देते हैं। यदि आपकी संतान के बारे में आपको पता नहीं कि क्या कर रही है तो आप अपने बच्चों के हित चिंतक नहीं हो। बच्चों के जीवन में धर्म का प्रवेश हो, संस्कार आए ऐसा करें। हित बुद्धि से अपने बच्चों के बारे में सोचें।

हर जीव अपना स्वयं का पुण्य एवं नसीब लेकर आता है : आचार्य श्री विशद सागर जी महाराज

विश्व परिवार परिवार द्वारा आचार्य संघ के सानिध्य में संपन्न हुआ चौसठ ऋद्धि विधान

झांसी (विश्व परिवार)। आचार्य श्री विशद सागर जी के महाराज के आशीर्वाद से उनके परम प्रभावक शिष्य मुनि विशाल सागर जी महाराज के निर्देशन में श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट जिनालय पंचायती मंदिर झाँसी में पूज्य आचार्य संघ के मंगल सानिध्य में आचार्य श्री विशद सागर जी महाराज द्वारा रचित चौंसठ ऋद्धि विधान का भव्य आयोजन हुआ। दैनिक विश्व परिवार झांसी-रायपुर के श्री प्रदीप जी जैन एवं उनके पारिवारिक जनो के सहयोग से यह विधान भारी धर्म प्रभावना के साथ सम्पन्न हुआ, आचार्य श्री ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि आज हमारी अवधारणा बनने लगी है छोटा परिवार सुखी परिवार ये नारे भी लगाते है, सरकार भी कहती है हम दो हमारे दो की संख्या सही अर्थात सीमित परिवार सुखी परिवार, आगामी समय की स्थिति यहां तक आ रही है हम दो हमारा एक और आगे बढ़े तो स्थिति यह न हो जाए कि हम दो हमारा एक भी नहीं। आचार्य श्री ने कहा कि आज जैन समाज की संख्या जिस कदर से घट रही है आने वाले समय में में जैन समाज कर क्या होगा ये एक चिन्तनीय विषय हैं उन्होंने कहा कि जैन विश्व परिवार के आठ भाई बहन हैं, उनका भरा पूरा परिवार है नाती पोते बहुएं हैं सभी ने मिलकर यह चौंसठ ऋद्धि पूजा विधान की आराधना की ऐसे परिवार एक दूसरे को समझते है एक दूसरे के सुख दुख में काम आते हैं यदि हम सोचते है कि हमारी सन्तान ज्यादा हो गई हैं तो उनको खिलाने -पिलाने पढ़ाई का शादी खर्चा कहाँ से आयेगा तो ये उनकी बड़ी भारी भूल है सभी सन्ताने अपना अपना पुण्य-पाप साथ लेकर आती है हमारे करने से कुछ नहीं होता हम तो बस निमित्त मात्र हैं।

विधान के दौरान विश्व परिवार से श्रीमती देवी जैन, श्रीमती पुष्पा जैन, श्री ज्ञानचंद जैन, श्री जिनेंद्र कुमार जैन, श्री सरल जैन, श्री प्रदीप कुमार जैन, श्री अमित जैन, श्री आलोक जैन, श्रीमती ममता जैन, श्रीमती मीना जैन, श्रीमती राखी जैन, श्रीमती अंजू जैन झांसी, श्रीमती नीलम जैन महरौनी, श्रीमती संध्या जैन अहमदाबाद, श्रीमती सुनीता जैन तुमसर, श्रीमती सुरुचि जैन तुमसर, श्रीमती रक्षा जैन जबलपुर, श्रीमती रंजना जैन आदि विश्व परिवार के सदस्य एवं समाज जन उपस्थित रहे। **-प्रियेश जैन**

धर्म जागृति संस्थान द्वारा लगायी देहरा तिजारा में अहिंसक आहार पोस्टर्स प्रदर्शनी

प्रतियोगियों ने गूढ़ता को समावेश कर बनाये गये अहिंसक आहार के पोस्टर -आर्यिका वर्धस्व नंदनी

तिजारा अलवर (विश्व परिवार)। राज्य स्तरीय अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता में प्राप्त पोस्टर्स की प्रदर्शनी धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रान्त द्वारा आर्यिका वर्धस्वनंदनी माताजी के मार्गदर्शन में क्षेत्र की समिति के सहयोग से अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा में मन्दिर परिक्रमा मार्ग में लगाई गई। आर्यिका वर्धस्व नंदनी माताजी ससंघ द्वारा प्रांतीय पदाधिकारीयो के साथ प्रदर्शनी का मंगलवार को अवलोकन किया गया।

प्रदर्शनी का अवलोकन अवश्य करने का आह्वान : अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता के मुख्य समन्वयक संजय जैन बड़जात्या कामां ने बताया कि प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए आर्यिका वर्धस्व नंदनी माताजी ने कहा कि प्रतियोगियों ने गूढ़ता को समावेश करते हुए अहिंसक आहार पोस्टर्स का निर्माण किया है। नए नए आइडिया का उपयोग कर बड़ी सरलता से अहिंसक आहार के महत्व को परिलक्षित किया गया है। सभी को इस प्रदर्शनी का अवलोकन कर जीवन मे अहिंसक आहार की विचारधारा को धारण करना चाहिए। यही इसकी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि एक से एक बढ़कर पोस्टर्स को देखकर परिणाम निकालना अतिकठिन प्रतीत हो रहा है।

संस्थान के पदाधिकारियों का किया सम्मान : इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने सभी प्रतियोगीयों, संयोजको व सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए देहरा तिजारा की प्रबन्धकारिणी समिति का धन्यवाद ज्ञापित किया। इधर देहरा तिजारा के समिति के अध्यक्ष मुकेश जैन, महामंत्री अनिल जैन, प्रतियोगिता के स्थानीय संयोजक नरेंद्र जैन द्वारा प्रतियोगिता के प्रदेश संयोजक इंजी प्रेमचंद छाबड़ा, धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम् जैन बिलाला, महामंत्री सुनील पहाड़िया, कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया व अन्य पदाधिकारीयों का सम्मान किया गया। फिरोजाबाद व जयपुर में भी लगाई जाएगी प्रदर्शनी तिजारा के बाद आचार्य श्री वसुनंदी महाराज के सानिध्य में उत्तरप्रदेश की नगरी फिरोजाबाद में भी अहिंसक आहार पोस्टर्स की प्रदर्शनी लगाई जाएगी तथा इसके बाद जयपुर में लगाने का प्रस्ताव है।

संयम की राह पर चलोगे, तो निश्चित हमारा जीवन बहूमूल्य बनेगा : मुनिश्री निर्वेग सागर जी महाराज

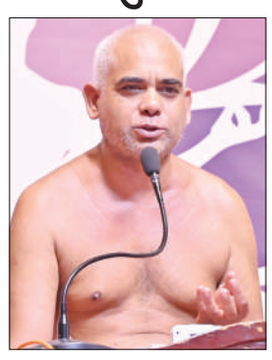

विदिशा (विश्व परिवार)। संयम की राह पर चलोगे, तो निश्चित हमारा जीवन बहूमूल्य बनेगा उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर जीमहाराज के संघस्थ मुनि श्री निर्वेग सागर जी महाराज ने प्रात:कालीन प्रवचन सभा में व्यक्त किये उन्होंने कहा कि मूकमाटी महाकाव्य में आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज ने पतित से पावन बनने की यात्रा का वर्णन करते हुये पतित मिट्टी को रुपक बनाकरपतित से परमात्मा बनने का वर्णन किया है, संयम की राह पर चलोगे, तो निश्चित हमारा जीवन बहूमूल्य बनेगाउन्होंने कहा कि मूकमाटी में मिट्टी उपादान है, कुम्भकार निमित्त कुम्भकार माटी को उपाश्रम में लेकर आया और छानकर कंकरों को अलग किया तो कंकरों को अपने अंदर की कमी महसूस हुई, शिल्पी ने उनका समाधान किया कि राही बनना ही तो हीरा बनना है, राही शब्द खुद पलट कर कह रहा है- हीरा मुनि श्री ने कहा कि संयम पथ की राह पर चलने बालों कोअपना परिचय दैने की आवश्यकता नहीं पड़ती। हीरा मुख से न कहे लाख हमारो मोल तन और मन को तप की आग में तपा तपा कर राख करना होगा तभी आप अपने जीवन को उन्नति को राह प्रदान कर सकते है, तप से डरो मत तप हमारे लिये अतयंत हितकारी है।वृत उपवास करने से शरीर हल्का फुल्का महसूस होता है तथा त्रिदोष बात पित्त कफ की स्थिति सम होकर शरीर निर्विकार हो जाता है।इस अवसर परशंकासमाधान के संचालक मुनि श्री संधान सागर जी महाराज ने सम्बोधित करते हुये कहा मनुष्य जीवन दुर्लभतम से दुर्लभतम है और 84 लाख योनियों को पार करके बहूत ही दुर्लभता से मिला है इस जिंदगी को पेन डिराईव की तरह नही कि जो चाहे उसको बजा ले जिंदगी का आनंद तो रेडियो के समान जो बज रहा है उसी संगीत का आनंद लो कर्म के बांधने में हम सभी स्वतंत्र है जो कर्म बांधे है उनको तो भोगना पड़ेगा जो पाप आपसे हो गया है उससे डरो मत लेकिन आगामी पाप करने से डरो सुख दु:ख दौनों रहते कभी धूप कभी छांव बाहर बाला पासा फैके भीतर चलते दांव कभी धूप कभी छांव दूसरे ने दो शब्द प्रसन्नता में बोल दिये तो हम प्रसन्नता में फूल जाते है और कभी किसी ने कुछ बुरा कह दिया या आलोचना कर दी तो हमारा मुंह फूल जाता है मुनि श्री ने कहा कि लोगों की बात पर अपने अंदर विकार उत्पन्न मत करो लोगों का काम है कहना मत दिलाओ विश्वास उनको कसम खाकर अपने अंदर की आत्मशक्ति को जगाओ और अपने अंदर का विश्वास जाग्रत करो कार्यक्रम का संचालन बाल ब्र अभय भैया ने किया। धर्मप्रभावना समिति के मीडिया प्रभारी राहुल जैन प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया आगामी 22 अगस्त से मुनि श्री के मुखारविंद से सोलहकारण भावना पर प्रवचन दर्शनविशुद्धि भावना के साथ शुरू होंने जा रहे है सभी से निवेदन है समय पर लाभ लें। प्रतिदिन बाहर से अतिथियों का आवागमन हो रहा है, धर्मप्रभावना समिति के महोत्सव अध्यक्ष नवीन गोदा, अध्यक्ष अशोक डोसी, महामंत्री हर्ष जैन, सहित सभी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। **-अविनाश जैन**

उपयोग करने की इच्छा संस्कार से मिलती है : मुनि प्रणम्य सागर जी महाराज

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन

जयपुर (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण के चौथे अधिकार का वाचन करते हुए बताया कि आनन्द कुमार महामण्ड़लीक राजा बना। मुनि श्री ने राजा, अधिराजा, महाराजा, अर्द्ध मण्डलीक राजा, मण्डलीक राजा, अर्द्ध चक्रवर्ती राजा व चक्रवर्ती राजा में अन्तर बताते हुए कहा कि 800 राजा जिसे नमन करे वह महामण्ड़लीक राजा होता है।

मुनि श्री ने कहा कि उपभोग करने की इच्छा सबकी होती है पर उपयोग करने की इच्छा संस्कारों से प्राप्त होती है। पुण्यवान का पुण्य ऐसे आगे चलता है, जैसे चक्रवर्ती राजा का चक्र चलता है। पुण्यवान पुण्य कर्म के उदय से सब कुछ प्राप्त कर सकता है। मुनि श्री ने आगे कहा कि जिनेन्द्र देव की पूजा से सब दुख: हर जाते हैं। पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। मुनि श्री ने विनती शब्द को परिभाषित करते हुए बताया कि विशेष रूप से नमन करने को विनती कहते हैं।

इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया।

तत्पश्चात व्रतधारी डी सी जैन, प्रकाश जैन एवं अन्य व्रतियों द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया।

कभी तक जैन धर्म को नहीं समझ पाए : विराग मुनि जी

एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी में चातुर्मासिक प्रवचन

रायपुर (विश्व परिवार)। संसार के प्रति अंदर से उदासीन भाव से ही क्रिया करना चाहिए। हमने अब तक जैन धर्म को नहीं समझा, इसलिए आज हम खाने-पीने समेत अन्य भौतिक सुखों में लिप्त हैं। मनुष्य भव में जैन कूल में जन्म लेकर हमें इतनी अनुकूलता मिली है, उसके बाद भी प्रमाद में पड़े हैं। कर्म सत्ता कब यह अनुकूलता छीन ले, पता नहीं चलेगा। हमें इस भव में विरागी बनना है, ताकि मोक्ष प्राप्ति हो सके। दूसरों की संपत्ति देखकर हम दुखी और ईर्ष्या करने लगे हैं। जो प्राप्त है, वही पर्याप्त है। मन में संतोष लाना होगा।

एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी में श्री विनय कुशल मुनिजी महाराज साहब के पावन सानिध्य में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन में विराग मुनि महाराज साहब ने ये बातें कही। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को आकर्षित करने अच्छे-नए के चक्कर में परंपराएं बदल रहे हैं। ऐसे करेंगे तो भावी पीढ़ी तक असल धर्म कैसे पहुंचेगा! इसी तरह चलता रहा तो धर्म का स्वरूप ही बदल जाएगा। सत्यानाश हो जाएगा। अगर हम फिर भी परिवर्तन कर रहे हैं तो क्या यह मान लिया चाहिए कि परमात्मा को देश-काल का ज्ञान नहीं था, क्योंकि उन्होंने तो कभी धर्म में परिवर्तन के लिए नहीं कहा। जिन शासन में अभी प्रवचन काल साढ़े 17 हजार साल चलना है। समय के साथ परिवर्तन का दौर इसी तेजी से चला तो महज 50 साल बाद धर्म ही नहीं बचेगा।

जैन गौरव साम्राट चंद्रगुप्त मौर्य का जीवन परिचय

साम्राट चंद्रगुप्त मौर्य- आधुनिक दृष्टि से भारतवर्ष के शुद्ध व्यवस्थित राजनीतिक राजनीतिक इतिहास का जो प्राचीन युग हैं उसके प्रकाशमान नक्षत्रों मे प्राय: सर्वाधिक से तेजपूर्ण नाम चंद्रगुप्त का है। ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में चंद्रगुप्त ने शक्तिशाली चन्दवंश का उच्छेद करके उसके स्थान में मौर्य वंश की स्थापना की थी। उसके प्रधान नायक ये ही गुरू शिष्य अर्थात चंद्रगुप्त तथा चाणक्य थे। एक यदि राजनीतिक विद्या - विचक्षक एवं नीति विशारद पण्डित था, तो दूसरा परम पराक्रमी एवं तेजस्वी सिद्धपुत्र हिरण्यगुप्त धननन्द चाणक्य से रूष्ट हो गया, उसने उसका अपमान किया। कोई करते है कि चाणक्य का अपमान महाराज नंद और युवराज की उपस्थिति में दानशाला की परिचारिका द्वारा प्रथम भेंट के अवसर पर किया गया था। जो हो अपमान से क्षुब्ध और कुपित चाणक्य ने भरी सभा में यह प्रतिज्ञा की, कि जिस प्रकार उग्रवायु का प्रचण्ड वेग अनेक शाखा समूह सहित विशाल एवं उतुंग वृक्षों को जड़ से उखाड़ फेंकता है। उसी प्रकार हे नन्द मैं तेरे, तेरे पुत्रों, भृत्यों मित्रादि का समस्त वैाव सहित समूल नाश करूंगा। चारण एक ऐसे व्यक्ति की खोज में लगा जो बड़ा राजा होने के सर्वथा उपयुक्त हो। चंद्रगुप्त व वंश की अनेक कहानियां प्रचलित है, मौर्य शब्द, मौर्य वंश भी कई कहानियों में गूथा हुआ है। चाणक्य ने चंद्रगुप्त को प्राप्त कर लिया, कई वर्षो तक चंद्रगुप्त को विविध अस्त्रों - शस्त्रों के संचालन, युद्धविद्या, राजनीति तथा अन्य उपयोगी ज्ञान - विज्ञान एवं शास्त्रों के संचालन, युद्ध विद्या, राजनीति तथा अन्य उपयोगी ज्ञान-विज्ञान एवं शास्त्रों की समुचित शिक्षा दी। धीरे - धीरे उसके लिए धन व बहुत से युवा साथी भी जुटा दिये। ई. पूर्व 326 में ाारत भूमि पर जब यूनानी सम्राट सिकन्दर महान ने आक्रमण किया तो उनसे स्वदेश भक्त चाणक्य का हृदय बहुत दु:खी हुआ, उसने शिष्य चंद्रगुप्त को सलाह दी की यह यूनानियों की सैनिक पद्धति, सैन्य संचालन और युद्ध कौशल का उनके बीच रहकर कुछ दिनों में प्रत्यक्ष अनुभव करें। कुछ समय पश्चात पंजाब के यूनानी सत्ता के एक भू भाग के विरूद्ध विद्रोह का नेतृत्व कर उसे स्वतंत्र कर लिया, एक छोटा सा स्वतंत्र राज्य स्थापित करने में वह सफल हो गया। चंद्रगुप्त और चाणक्य ने नंद सामाज्य को सीमावर्ती प्रदेशों पर अधिकार कर प्रारंभ किया। एक के पश्चात एक ग्राम, नगर दुर्ग और गढ़ छल-बल कौशल से जैसे से जैसे भ बनाये हस्तगत करते चले विजित प्रदेशों एवं स्थानों को सुसंगठित एवं व्यवस्थित करते हुये तथा अपनी शक्ति में उत्तरोत्तर वृद्धि करते हुये अंतत: वे राजधानी पाटलिपुत्र तक पहुंच गये। चंद्रगुप्त के पराक्रम, रणकौशल एवं सैन्य-संचालन, पटुता, चाणक्य की कूटनीति एवं सदैव सजग रहकर आगे बढ़ते गये, एक - एक कर नन्द कुमार लड़ते-लड़ते वीर गति को प्राप्त हुये । अंतत: वृहद महाराज पद्मनन्द का विवाह हुआ। वीर चद्रगुप्त राजधानी में सुप्रभा को पट्टारानी बनाकर मगध के राज्य सिंहासन पर आसीन हुआ। राज्य विस्तार होता गया, उज्जयिनी को भी अपनी उपराजधानी बनाया। दक्षिण भारत विजय का अभियान भी पूर्ण हुआ। मध्य एशिया के महाशक्ति यूनानी सम्राट सेल्युकस ने ई. 305 में भारत वर्ष पर भारी आक्रमण किया, चंद्रगुप्त ने योजना पूर्वक उन्हें पराजित किया, उनकी पुत्री हेलन के विवाह प्रस्तावित किया। कोटिल्य के अर्थशास्त्र में संपूर्ण भारत वर्ष के रूप में चक्रवर्ती क्षेत्र की जो परिभाषा है वहीं समुद्र पर्यन्त, आसेतु हिमाचल भूखण्ड इस मौर्य सम्राट ने निकले थे। चंद्रगुप्त का उन मुकुटबद्ध, माण्डलिक सम्राटों में अंन्तिम कहा गया है। जिन्होने दीक्षा लेकर अन्तिम जीवन जैन मुनि के रूप में व्यतीत किया था। वह भद्रबाहु श्रृतकेवली अम्राय का उपासक था। श्रवणबेल गोल पहुंचा जहां आचार्य भद्रबाहू दिवंगत हुये थे। उस स्थान के एक पर्वत पर मुनिराज ने तपस्या की, पश्चात सल्लेखना पूर्वक देह त्याग किया। उनकी स्मृति में वह पर्वत चंद्रगिरी नाम से प्रसिद्ध हैं। चाणक्य भी पर्याप्त वृद्ध हो चुके थे और राजकार्य में विरत होकर कर आत्म कल्याण के इच्छुक थे। मुनि दीक्षा लेकर दुर्धर तपस्या और घोर उपसर्ग सहते हुये सल्लेखना पूर्वक देह त्याग किया। प्राचीन कई शिलखालेखों पर अंकित यह इतिहास है। आचार्य जैन मन्त्रीश्वर चाणक्य और उनके सुशिष्य जैन सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य की अद्वितीय जोड़ी जैन इतिहास की ही नहीं, संपूर्ण भारतीय इतिहास की अमर उपलब्धि है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरूवार 22 अगस्त 2024

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर जनदर्शन में 19 आवेदन मिले

कांकेर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री निलेश महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में अपर कलेक्टर श्री एस. अहिरवार ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों से मुलाकात कर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया। आज जनदर्शन में कुल 19 आवेदन प्राप्त हुए। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में जनकपुर वार्ड कांकेर के वार्डवासियों ने शासकीय जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की, इसी तरह कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के ग्राम नेड़गांव के ग्रामीणों ने पक्की सड़क निर्माण की मांग की। कांकेर विकासखण्ड के ग्राम मरकाटोला के ग्रामीणों ने व्यपवर्तन नाली में पुलिया निर्माण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा ग्राम गितपहर, ग्राम पुरियारा, सराधुघमरे, रानवाही, चौगेल, श्रीगुहान, पोटगांव और तरांदुल के ग्रामीणों ने आज कलेक्टर जनदर्शन में अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। अपर कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभाग कों निर्देशित किए।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से युवक की मौत

बलरामपुर(विश्व परिवार)। जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक बालक झुलस गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर जांच में जुट गई है. मिली जानकारी के अनुसार, यह मामला राजपुर थाना क्षेत्र के नरसिंहपुर गांव का है. रक्षाबंधन त्योहार के दिन दोपहर में 10 वर्षीय कपिल कोरवा अपने दोस्त के साथ खुखड़ी (मशरूम) बीनने के लिए घर से जंगल की ओर निकला था. इस बीच तेज बारिश के साथ गरज-चमक शुरू हो गई. बारिश से बचने के लिए कपिल एक पेड़ का सहारा लेकर उसके नीचे खड़ा हो गया, जबकि उसका दोस्त पानी में भीगते हुए घर लौट गया. इसी दौरान आकाशीय बिजली पेड़ पर गिरी और कपिल उसकी चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई. बालक के मौत से घर में मातम पसर गया है.

ताश-पत्ती से जुआ खेल रहे 6 आरोपी पकड़ाये

धमतरी(विश्व परिवार)। जिले की थाना अर्जुनी एवं सायबर टीम द्वारा ताश-पत्ती से जुआ खेल रहे 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है तथा उनके पास से कुल 27 हजार रूपयें नगद एवं ताश पत्ती जब्त कर,धारा 3(2) (छ0ग0) जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार जिले की अर्जुनी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम अरौद खार महानदी के किनारे खेत में कुछ लोग द्वारा रूपये पैसे का हारजीत का दाव लगाकर जुआ ताश खेल रहे है। सूचना पर तत्काल पुलिस ने काग्रवाही करते हुए मौके पर जाकर ताश पत्ती से जुआ खेल रहे हेमन्त कुमार साहू, गोपीचंद चन्द्राकर,ढानेश्वर साहू,एवन महिलांगे,निलेश कुमार साहू, डेमन कोसरिया निवासी दर्री थाना अर्जुनी जिला धमतरी को रंगे हाथ पकड़ा तथा उनके पास से 8500 रूपये एवं जुआ फ ड़ से 18500 रूपये कुल 27000 रूपये तथा ताश पत्ती जब्त किया है।

अव्यवस्थित यातायात के चलते लोग हो रहे परेशान

गरियाबंद(विश्व परिवार)। नगर में छोटे बड़े वाहनों को मुख्यमार्ग से गुजरने के लिए एक ही मार्ग संचालित है,वही उस मार्ग में यातायात बाधित न हो आवागमन सुगम रहे और लोग परेशान न हो इसे ध्यान में रखते हुए यातायात विभाग विभाग के बड़े अधिकारी हमेशा तत्पर रहते है और नगर के मुख्य चौराहा तिरंगा चौक में दो यातायात पुलिस जवान को तैनात रखते है लेकिन वे यातायात पुलिस इस व्यवस्था को बनाए रखने में अपना सिर्फ समय ही व्यतीत करते दिखते है,जहा देखा गया है की बस स्टेंड से निकलने वाली यात्री बस चाहे वो नगर से रायपुर के लिए हो या देवभोग के लिए बस स्टेंड से एक किलोमीटर तक यात्री के लालच में काफी धीमे गति से चलते है उससे भी लोगो को काफी परेशानी होती है।इसके चलते अक्सर तिरंगा चौक में जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है और छोटे बड़े वाहनों के साथ मोटरसाकल से और पैदल चलने वाले लोग परेशान होते रहते है। गौरतलब है की रायपुर से देवभोग, गरियायबंद से छुरा पिपरछेड़ी,रसेला और अन्य जगहों के लिए चलने वाली यात्री वाहनों को गुजरने के लिए नगर का मुख्य चौराहा तिरंगा चौक ही है।जिसके चलते ये चौराहा अक्सर व्यस्त रहता है इसे ध्यान में रखते हुए विभाग के अधिकारी इस तिरंगा चौक में यातायात विभाग के दो पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाते है।

सुप्रीमकोर्ट के फैसले के खिलाफ सड़को पर उतरा एस टी एस सी समाज

गरियाबंद (विश्व परिवार)। अनुसूचित जाति, जनजाति सयुंक्त मोर्चा के बैनर तले जिला मुख्यालय सहित, मैनपुर, फिंगेश्वर, छुरा, देवभोग स्व स्फूर्त बंद रहा . तमाम अनुसूचित जाति जनजाति के संगठनों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफएक दिन का भारत बंद आह्वान किया था. जिसके तहत शहर मे भी बंद का असर रहा. समाज के समर्थन में समस्त व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद किए

नगर के आदिवासी विकास परिषद मजरकट्टा से हजारों कि संख्या में समाज के लोगो ने रैली निकल नगर के विभिन्न चौक चौराहो से होते हुए तिरंगा चौक पहुंचे , रास्ते में सुन्नी मुस्लिम जमात के लोगो ने स्वल्पाहार व शर्बत पिला कर स्वागत किया, समाज के प्रभुद्ध लोगो ने तिरंगा चौक में सभा को सम्बोधित किया.प्रदर्शन के दौरान सुप्रीम कोर्ट व केंद्र सरकार के ख़िलाफ़ जमकर नारेबाजी की गई व आरक्षण बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने कि बात कि गई. उल्लेखनीय है की विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण को लेकर दिए गए निर्णय के बाद से अनुसूचित जाति जनजाति समाज के बीच जमकर नाराज़गी देखी जा रही है खास कर समाज में वर्गीकरण व कृमिलेयर को लेकर लोगो में आक्रोश है. समाज के लोगो ने इस निर्णय को समाज को तोड़ने वाला बताते हुए फुट डालने कि मंशा करार दिया.. वही इसका जमकर कर विरोध किया जा रहा है और आगे भी आंदोलन किए जाने की चेतावनी मोर्चा ने जारी की है मोर्चा सहित गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, मुस्लिम सुन्नी जमात,आदिवासी हल्बा समाज,सहित अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद ने महामहिम राष्ट्रपति व सुप्रीमकोर्ट के न्यायाधीश के नाम यारह सूत्रीय मांगो का ज्ञापन द्वारा कलेक्टर तहसीलदार को सौपा.

नियद नेल्लानार योजना : ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू होने कलेक्टर ने लगाई चौपाल

पानीडोबीर को मिलेगी धान खरीदी केंद्र की सौगात

कांकेर(विश्व परिवार)। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार योजना के बेहतर क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानने कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने आज जिले के कोयलीबेड़ा विकासखंड अंतर्गत दूरस्थ संवेदनशील इलाके में स्थित ग्राम पानीडोबीर में चौपाल लगाई और ग्रामीणों की समस्याओं से सिलसिलेवार रूबरू हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कलेक्टर के समक्ष अपनी मांगें एवं समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने ग्रामीणों से कहा कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से बस्तर क्षेत्र के दूरस्थ अंचलों में अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इस योजना के तहत जिले के ग्राम पानीडोबीर का चयन हुआ है, जिसमें आसपास के गांवों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने सभी ग्रामीणों से आग्रह करते हुए कहा कि आगे बढ़कर शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि गांव की सभी मांगों और आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। कलेक्टर ने ग्रामीणों को बताया कि उनकी मांग पर नियद नेल्लानार योजना के तहत क्षेत्र के दो नए गांव चिलपरस और जुंगड़ा को जोड़ा गया है, जिससे वहां के ग्रामीण भी इस महत्वाकांक्षी योजना से लाभान्वित हो सकें। इस मौके पर ग्रामीणों ने वन अधिकार मान्यता पत्र के लंबित प्रकरण के जल्द निराकरण की मांग की, जिस पर जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा के सीईओ ने बताया कि 80 आवेदकों को पट्टा तैयार करने का कार्य अंतिम चरण पर है। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों ने आवास, शौचालय, पेयजल आपूर्ति, चिकित्सक, शाला भवन मरम्मत, शिक्षक की मांग, सड़क, आंगनबाड़ी केंद्र, हैंडपंप, स्ट्रीट लाइट, हाई मास्ट लाइट सहित कई मांगों और समस्याओं से जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया। इसी तरह बालक आश्रम की तर्ज पर कन्या आश्रम शुरू करने और धान खरीदी केंद्र खोलने की भी मांग रखी। इस पर कलेक्टर ने कहा कि आगामी खरीफविपणन वर्ष में यहां के किसानों को अपना धान बेचने 17- 18 किलोमीटर दूर कोयलीबेड़ा जाना नहीं पड़ेगा। उन्होंने यहां खरीदी केंद्र हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित करने खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया। साथ ही कलेक्टर ने ग्रामीणों के आवेदनों पर प्राथमिकता से नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही।

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत गादीरास में रैली निकालकर दिया गया स्वच्छता का संदेश

ग्रामों में प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता त्यौहार का होगा आयोजन

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर हरिस.एस के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत गादीरास में बाजार स्थल में आयुष्मान कार्ड शिविर, स्वच्छता रैली एवं सामुदायिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत की उपस्थिति में एवं निगरानी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम दौरान ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव एवं अन्य ग्राम पंचायत के सचिव के साथ-साथ स्वच्छाग्राही स्व सहायता समूह की दीदीयां एवं ग्राम में गठित अन्य स्व सहायता समूह की दीदी , शिक्षक, स्कूली छात्र-छात्रा एवं ग्रामीण जन सम्मिलित हुए। वहीं उपस्थित अन्य ग्रामों के सचिवों को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुकमा द्वारा निर्देशित किया गया कि आप अपने ग्राम पंचायत अंतर्गत स्वच्छता गतिविधि करावे एवं ग्राम को स्वच्छ बनाने में ग्रामीणो की भागीदारी को बढ़ावा दे जिससे स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता हो। पंचायत स्तर में प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित करें एवं बाजार लगने वाले ग्रामों में बाजार समाप्त होने पश्चात बाजार में स्वच्छता कार्यक्रम सामूहिक श्रमदान का आयोजन कर स्वच्छता का प्रचार प्रसार करें। वही ग्राम पंचायत गादीरास में कपड़ा सिलाई प्रशिक्षित स्व सहायता समूह की दीदियों से चर्चा करते हुए उन्नत सिलाई तकनीक, फैसन डिजाइनिंग प्रशिक्षण , उन्नांत मशीन का उपयोग कर आय बढ़ाने के संबंध में उन्मुखीकरण बहुत ही सरलता से किया , लखपति दीदी बनाना है संगठित होकर सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने प्रोत्साहित किया गया। समझाइश पश्चात सभी ने लखपति बनना सहमति दिया।

पीवीटीजी परिवारों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से करें लाभान्वित-कलेक्टर

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने आज समय-सीमा की समीक्षा बैठक में कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता एवं समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देष दिये। उन्होंने कहा कि राज्य शासन से प्राप्त निर्देशों का पूर्णत: पालन होना चाहिए। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया जिले में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय एवं खण्ड स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति में शामिल सभी अधिकारी युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक पूर्ण करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने कहा कि प्रक्रिया के पूर्ण होने से शिक्षा विभाग में शिक्षकों की कमी की समस्या लगभग खत्म हो जायेगी। बच्चों के अध्यापन हेतु सभी विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध होंगे। जिससे बच्चों की पढ़ाई स्तर में सुधार होगा। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि शालाओं में दर्ज बच्चों की संख्या को आधार मानकर विद्यालयों की सूची तैयार करें। उन्होंने जिले में अतिशेष शिक्षकों की संख्या, शिक्षक विहीन शाला, एकल शिक्षक वाले विद्यालय की सूची भी समय सीमा में समिति को प्रस्तुत करने के लिए कहा। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिले में स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना की भी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री जनदर्शन में मिले आवेदनों का अधिकारी एक सप्ताह के भीतर करें निराकरण - कलेक्टर

जन्माष्टमी पर्व पर कोलाहल अधिनियम का ना हो उल्लंघन

धमतरी(विश्व परिवार)। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने आज साप्ताहिक समय सीमा की बैठक कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में ली। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन और समय सीमा के लंबित प्रकरणों की बारी-बारी से विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का निराकरण करते समय गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का निराकरण एक सप्ताह के भीतर किया जाए, जिसकी मॉनिटरिंग राज्य स्तर पर की जाएगी। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव, वनमण्डलाधिकारी श्री श्रीकृष्ण जाधव, अपर कलेक्टर श्री जी.आर.मरकाम सहित जिला स्तरीय अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन) के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति वाले ग्रामों के बसाहटों में घरेलू स्तर पर योजनाओं जैसे- पीएम आवास योजना, हर घर जल, आयुष्मान कार्ड, उज्जवला इत्यादि योजनाओं से शत-प्रतिशत लाभान्वितों का परिवारवार विस्तृत डाटा एकत्र करने का कार्य ऑनलाईन मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए संबंधित एसडीएम को विशेष रूचि लेकर समझने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। इसके लिए उन्होंने प्रशिक्षण आयोजित करने भी कहा है। कलेक्टर ने बैठक में जिले में किए गए वृक्षारोपण की जानकारी ली। साथ ही किसान मित्र योजना के तहत वृक्षारोपण में तेजी लाने के निर्देश दिए और जिन विभागों के द्वारा अब तक वृक्षारोपण नहीं किया गया, उन्हें जल्द से जल्द पौंधों का रोपण करने कहा। इसके अलावा किए गए वृक्षारोपण की जियो टैगिंग अनिवार्य रूप से करने के निर्देश कलेक्टर ने बैठक में दिए। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने पेंशन प्रकरणों की जानकारी ली तथा स्वेच्छानुदान संबंधी आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उपजेल में कड़ी सुरक्षा के बीच बहनों ने सजाई कैदी भाइयों के हाथ में राखी

गरियाबंद(विश्व परिवार)। रक्षाबंधन के अवसर में जिले के उपजेल भाई बहन के बीच अटूट प्रेम का नजारा देखने को मिला।नम आंखों से भाई को निहारते हुए बहनों ने जेल में निरुद्ध अपने भाइयों के हाथ में राखी सजाई,उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की।इसके साथ ही बुराई छोड़कर सत्मार्ग में चलने का वचन भी लिया। ज्ञात हो कि कोरोना का साया हटने के बाद प्रशासन ने इस वर्ष भाई बहन और परिजनों को प्रत्यक्ष रूप से मिलने और राखी बांधने की छूट दी।जिसके चलते गरियाबंद सहित दीगर राज्य और जिलों से भी बहनें यहां निरुद्ध भाइयों को राखी बांधने पहुंची थी।सुबह 9 बजे से ही यहां बहनों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। जेल प्रशासन ने भी 9 बजे से मिलने के लिए गेट खोल दिए थे।जिसके चलते कार्यालय के

पास हाल में सुकून से बैठ कर भाई बहन ने अपने सुख दुख बांटे,परिजनों का हाल चाल पूछा और रक्षाबंधन का पर्व मनाया।उपजेल प्रशासन ने बताया कि जेल में 162 कैदी है।जिसमें 161 विचाराधीन है,एक सजा याप्ता है। दोपहर एक बजे तक 38 बहनें राखी बांधने पहुंची थी।इधर रक्षा बंधन के अवसर पर भाइयों ने छोटी बहनों को शुभाशीष दिया, वही बड़ी बहन के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। माता पिता और भाई से गले मिले।पुरानी घटना के लिए अफ्सोस जाहिर किया।वहीं कैदियों ने मिलने आए अपने बच्चों को भी खूब निहारा।इस दौरान कुछ देर के लिए भाई बहन की आंखे भी नम रहीं।बहनों ने आरती उतारी, राखी बांधी और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा भी कराया। दूसरी ओर रक्षाबंधन को देखते हुए प्रशासन ने भी उनकी मदद की।आरती की थाली आदि का प्रबंध किया। उल्लेखनीय है कि बीते तीन साल कोरोना वायरस के संक्रमण और एहतियातन सुरक्षा के चलते रक्षाबंधन के आयोजन पर रोक लगी थी।मुख्य गेट में ही बंदियो के लिए आई राखी को जमा कर बहनों को लौटा दिया जा रहा था।पिछले साल भी इसे लेकर सरकारी फ्रमान जारी हुआ था।इस साल आयोजन पर लगी रोक हटाई गई,जिससे कुशलता से बहने अपने भाई से मिल पाई। जेल प्रभारी हितेंद्र कुमार ठाकुर ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार उपजेल में रक्षाबंधन के अवसर पर निरुद्ध कैदियों को प्रत्यक्ष रूप से राखी बांधने की छूट दी गई। पिछले तीन साल से कोरोना संक्रमण के चलते इसमें रोक लगी थी।इस बार पर्याप्त समय प्रदान कर मिलने दिया गया हैं।बहनें उत्साह से राखी बांध कर पर्व की परंपरा पूर्ण कर रही है। एक बार में पांच कैदियों को राखी बांधने बैरक से बाहर भेजा रहा है।इधर,रक्षाबंधन पर जिले के खासा उत्साह देखने को मिल रहा।सुबह से सड़को और मिठाई दुकानों के लोगो की भीड़ है।बसों में भी काफी भीड़ देखने के मिला। पर्व के दिन भी बाजार में जमकर राखी की खरीदी किया गया।ज्योतिष शास्त्रों के मुताबिक दोपहर 1:30 बजे के बाद रात 9,30 बजे तक शुभ मुहूर्त रहा।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर गुरूवार 22 अगस्त 2024

व्यापार समाचार

IDBI बैंक ने उत्सव फिक्स्ड डिपॉजिट पर ज़्यादा ब्याज दरें पेश कीं

रायपुर। IDBI बैंक ने सीमित अवधि की उत्सव फिक्स्ड डिपॉजिट योजना पर ज्यादा ब्याज दरें प्रदान करने की घोषणा की है। बैंक 444 दिन और 375 दिन की अवधि के लिए अब 7.85 % और 7.75% प्रति वर्ष की अधिकतम ब्याज दर प्रदान कर रही है। ब्याज दरों में इस बढ़ोत्तरी ने उत्सव फिक्स्ड डिपॉजिट को बेहतर रिटर्न चाहने वाले ग्राहकों के लिए और भी ज्यादा आकर्षक बना दिया है। यह सीमित अवधि का ऑफर 30 सितंबर, 2024 तक लागू रहेगा। ग्राहक बैंक की वेबसाइट या मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन या आईडीबीआई बैंक की किसी भी शाखा में जाकर उत्सव फिक्स्ड डिपॉजिट खोल सकते हैं। इसके अलावा, आईडीबीआई बैंक उत्सव फिक्स्ड डिपॉजिट योजना के अंतर्गत अन्य विशेष अवधियों के लिए भी बहुत आकर्षक ब्याज दरें प्रदान कर रहा है। 700-दिन की अवधि के लिए 7.70% प्रति वर्ष की अधिकतम ब्याज दर और 300-दिन की अवधि के लिए 7.55% प्रति वर्ष की ब्याज दर प्रदान की जा रही है। ब्याज दरों में इस संशोधन से ग्राहकों को उनकी वित्तीय जरूरतें पूरी करने के लिए आकर्षक निवेश विकल्प प्रदान करने की आईडीबीआई बैंक की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

ओला इलेक्ट्रिक ने बाजार में अपनी स्थिति मजबूत की, इलेक्ट्रिक मोटरसाईकल लॉन्च की एवं वित्तवर्ष 2026 की पहली तिमाही तक अपने खुद के सेल लाने की घोषणा की

रायपुर। भारत को विश्व का इलेक्ट्रिक वाहन और नया ऊर्जा केंद्र बनाने के उद्देश्य से ओला इलेक्ट्रिक ने आज इलेक्ट्रिक वाहन और एनर्जी वर्टिकल्स में अपने नए उत्पादों और भविष्य के रोडमैप की घोषणा की। रोडस्टर, रोडस्टर एक्स और रोडस्टर प्रो के लॉन्च के साथ कंपनी ने आज इलेक्ट्रिक मोटरसाईकल के सेगमेंट में प्रवेश किया और वित्तवर्ष 2026 की पहली तिमाही से अपने वाहनों में अपने खुद के सेल लाने की घोषणा की। कंपनी ने 15 अगस्त, 2024 को कृष्णागिरी, तमिल नाडु की फ्यूचर फैक्ट्री में ओला की वार्षिक लॉन्च ईवेंट- संकल्प 2024 में स्वदेशी विकसित भारत 4680 सेल और बैटरी पैक तथा मूवओएस 5 का प्रदर्शन भी किया। इस कार्यक्रम में ओला इलेक्ट्रिक के फाउंडर एवं सीएमडी, भाविश अग्रवाल ने कहा, ''आज भारत में टूव्हीलर के दो तिहाई हिस्से पर मोटरसाईकल का कब्जा है, और इस सेगमेंट में ओला के प्रवेश के साथ भारत के टूव्हीलर उद्योग में इलेक्ट्रिक वाहनों का हिस्सा तेजी से बढ़ेगा। हमने स्कूटर सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद में सफ्लतापूर्वक तेजी लाई, और अब अपने भविष्य के मोटरसाईकल पोर्टफोलियो के साथ हम इलेक्ट्रिक वाहन को और ज्यादा बढ़ावा देने के लिए बहुत उत्साहित हैं। अगले साल की शुरुआत में हमारे वाहनों में हमारे खुद के सेल लगना शुरू हो जाने के बाद हमें विश्वास है कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बहुत तेजी से विस्तार होगा।''

रियलमी ने 13 सीरीज़ 5जी स्पीड ट्रायो का अनावरण किया: 29 अगस्त, 2024 को शुरू होगी अतुलनीय स्पीड

रायपुर। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय ब्रांड, रियलमी ने अपनी नंबर सीरीज़ में रियलमी 13 सीरीज़ 5जी का लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन उद्योग में अब तक की सबसे तेज स्पीड प्रदान करेगा। इसमें डायमेंसिटी 7300 एनर्जी 5जी चिपसेट, 80 वॉट के अल्ट्रा चार्ज और 256जीबी डायनामिक रैम एक्सपैंशन + 256जीबी रोम के साथ शक्तिशाली स्पीड का कॉम्बिनेशन है। रियलमी 13 सीरीज़ 5जी का लॉन्च 29 अगस्त, 2024 को दोपहर 12 बजे होगा। इस नई सीरीज़ में यह मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 एनर्जी 5जी चिपसेट के साथ पहला स्मार्टफोन है। यह एडवांस्ड 4एनएम प्रोसेस टेक्नोलॉजी पर आधारित है, जो सुगम मल्टीटास्किंग और गेमिंग के अनुभव के लिए बेहतरीन पॉवर एवं एफिशियंसी प्रदान करता है। पिछले मॉडलों के मुकाबले यह चिपसेट 30 प्रतिशत ज्यादा एनर्जी एफिशियंसी प्रदान करती है। इस स्मार्टफोन में दमदार परफॉर्मेंस और कम से कम पॉवर कंज़्प्शन के साथ स्थिर और सुगम हाई-फ्रेम-रेट गेमिंग प्राप्त होती है। इसमें बेहतरीन मैमोरी कॉन्फिगुरेशन के साथ डायमेंसिटी चिपसेट दिया गया है। यह सीरीज़ 26जीबी तक की डायनामिक रैम (12जीबी फिज़िकल + 14जीबी वर्चुअल) और 256जीबी स्टोरेज प्रदान करती है, जो अपनी श्रेणी में सबसे विशाल है। इस रैम द्वारा ऐप्स बहुत तेजी से लॉन्च होते हैं और मल्टीटास्किंग बहुत आसान बन जाती है।

मोटोरोला ने moto g45 5G लॉन्च किया

रायपुर। भारत के सर्वश्रेष्ठ 5G स्मार्टफोन ब्रांड, ने आज मोटो जी45 5G के लॉन्च की घोषणा की। moto g45 5G ने अपने दमदार Snapdragon® 6s Gen 3 प्रोसेसर के साथ भारत में किफायती 5G स्मार्टफोन बाजार में धूम मचा दी है, जो बेहतरीन कनेक्टिविटी के लिए ड्रूश्रहक्रके अलावा इस सेगमेंट के सबसे ज़्यादा 13 5G बैंड्स के साथ बेहतरीन परफॉरमेंस देता है। अल्ट्रा-प्रीमियम डिजाइन वाले moto g45 5G का लुक शानदार है, जिसे g-series के स्मार्टफोन में पहली बार 3 खूबसूरत पैन्टोन क्यूरेटेड कलर वेरिएंट तथा वीगन लेदर फ़िनिश के साथ पेश किया गया है। साथ ही यह इस सेगमेंट में सबसे पतला और सबसे हल्का डिवाइस भी है। यह स्मार्टफोन कई बेमिसाल और इस सेगमेंट में सबसे शानदार फीचर्स की पेशकश करता है, जिनमें 16MP के सेल्फी कैमरे के साथ 50MP Quad Pixel कैमरा, Gorilla® Glass 3 प्रोटेक्शन के साथ 120H5 6.5 का डिस्प्ले, और Dolby Atmos® के साथ डुअल स्टीरियो स्पीकर शामिल है। इसके अलावा, इसमें स्मार्ट कनेक्टट्ट, मोटो सिक्योर, फैमिली स्पेसेस, मोटो अनप्लग्ड जैसे कई उम्दा सॉफ्टवेयर फीचर्स भी मौजूद हैं, जो इसे अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ* 5G स्मार्टफोन में से एक बनाते हैं। moto g45 5G इस सेगमेंट के सबसे तेज़* 5त्न परफॉर्मेंस से सुसज्जित है। जिसमें बेहद दमदार Qualcomm Snapdragon® 6s Gen 3 ऑक्टा कोर प्रोसेसर लगाया गया है।

स्टार क्रिकेटर युवराज सिंह पर बन रही है बायोपिक

मुंबई(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और आईसीसी 2011 विश्व कप के हीरो युवराज सिंह पर बायोपिक बन रही है। अभी तक शीर्षक वाली यह फिल्म क्रिकेट में उनकी यात्रा और योगदान का एक भव्य जश्न मनाने का वादा करती है, जिसमें 2007 टी20 विश्व कप में 6 छक्कों की अविस्मरणीय लकीर और 2011 विश्व कप में उनका शानदार प्रदर्शन शामिल है, जिसके कारण भारत ने 28 साल बाद खिताब जीता था। 2000 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से, युवराज सिंह ने क्रिकेट पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने अपनी आक्रामक बाएं हाथ की बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग से प्रशंसकों का दिल जीत लिया। फिल्म के बारे में बात करते हुए युवराज ने कहा, मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि मेरी कहानी भूषण जी और रवि द्वारा दुनिया भर में मेरे लाखों प्रशंसकों को दिखाई जाएगी। सभी उतार-चढ़ाव के दौरान क्रिकेट मेरा सबसे बड़ा प्यार और ताकत का स्रोत रहा है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म दूसरों को अपनी चुनौतियों से उबरने और अटूट जुनून के साथ अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। अभी तक शीर्षक वाली इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार और रवि भागचंदका द्वारा किया गया है, जो सचिन- ए बिलियन ड्रीम्स और सितारे ज़मीन पर के लिए जाने जाते हैं। क्रिकेटर की यात्रा उसकी क्रिकेट उपलब्धियों से आगे तक फैली हुई है। 2011 में, युवराज सिंह को कैंसर का पता चला था, लेकिन उन्होंने विश्व कप में अपने देश के लिए खेलना जारी रखा और अपने शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें टूर्नामेंट का खिलाड़ी घोषित किया गया। उनकी साहसी लड़ाई और उसके बाद 2012 में क्रिकेट में वापसी ने उल्लेखनीय लचीलेपन का प्रदर्शन किया और विश्व स्तर पर लाखों लोगों को प्रेरित किया। भूषण कुमार ने कहा, युवराज सिंह का जीवन लचीलेपन, विजय और जुनून की एक सम्मोहक कहानी है। एक होनहार क्रिकेटर से क्रिकेट हीरो और फिर असल जिंदगी में हीरो बनने तक का उनका सफर वाकई प्रेरणादायक है।

डैरियस वीसे ने तोड़े कई टी20 रिकॉर्ड

आपिया (समोआ)(एजेंसी)। क्रिकेट जगत में रोजाना नए रिकॉर्ड बनते और टूटते रहते हैं। इस लिस्ट में अब समोआ के डैरियस वीसे का नाम भी जुड़ गया है। समोआ के बल्लेबाज डैरियस वीसे ने वनुआतु के खिलाफ टी 20 वर्ल्ड कप ईस्ट एशिया-पैसिफ़िक रीजन क्वालिफ़ायर मुक़ाबले में एक ही ओवर में छह छक्के जड़ डाले, जिसकी बदौलत एक ही ओवर में उनकी टीम के खाते में 39 रन जुड़ गए। यह टी20 इतिहास में एक ओवर में बनाए गए सर्वाधिक रन हैं और ऐसा करते हुए उन्होंने अब से पहले इस प्रारूप में पांच बार एक ओवर में बनाए गए 36 रनों के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। यह कीर्तिमान समोआ की पारी के 15वें ओवर में आया, जिसमें तीन नो बॉल भी शामिल थीं। डैरियस वीसे के इस शानदार ओवर ने न केवल कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए, बल्कि समोआ को एक मजबूत स्कोर तक भी पहुंचाया। उनकी 132 रनों की पारी, जिसमें 14 छक्के शामिल थे - टी20 इतिहास में पांचवां सबसे बड़ा स्कोर। समोआ के अंतिम स्कोर 174 का 75.86 था, जो टी20 पारी में किसी एक बल्लेबाज द्वारा बनाए गए रनों के उच्चतम प्रतिशत का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले पांच बार टी20 इतिहास में किसी टीम ने एक ही ओवर में 36 रन बनाए थे। 2007 में भारत के युवराज सिंह यह कारनामा करने वाले पहले बल्लेबाज बने थे, उन्होंने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के जड़े थे। इसके बाद वेस्टइंडीज के पोलार्ड ने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ और 2024 में नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी ने भी एक ही ओवर में छह छक्के जड़े। अन्य दो अवसरों पर एक ही ओवर में छह छक्के नहीं लगे थे लेकिन एक्स्ट्रा गेंदों की मदद से एक ओवर में टीम के स्कोर में 36 रनों की वृद्धि हुई थी।

सुमित नागल, ह्यूगो गैस्टन और मैग्डा लिनेट जैसे शीर्ष नाम होंगे शामिल

मुंबई(एजेंसी)। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का छठा सीजन 3 से 8 दिसंबर के बीच मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में खेला जाएगा। इस सीजन पूरी दुनिया के कई शीर्ष टेनिस खिलाड़ी भी लीग में खेलते नजर आने वाले हैं। टेनिस जगत के कुछ शीर्ष नाम भारत आएंगे। टीपीएल 2024 में फॉर्म में चल रहे भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल (वर्ल्ड नंबर 74 और भारत नंबर 1) और फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन (वर्ल्ड नंबर 61) मुख्य आकर्षण होंगे, जबकि महिलाओं में पोलैंड की मैग्डा लिनेट (वर्ल्ड नंबर 41) और अर्मेनियाई एलिना अवनेस्यान (वर्ल्ड नंबर 52) आकर्षण का केंद्र होंगी। पांच सफल सीजन के बाद टीपीएल फ्रेंचाइजी लीग में आईपीएल के करीब है। सभी फ्रेंचाइजी सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए कुल पांच-पांच मैच खेलेंगी क्योंकि लीग का मुख्य उद्देश्य टेनिस फैंस का ध्यान आकर्षित करता है। दो फ्रेंचाइजी के बीच सभी मैच पुरुष एकल, महिला एकल, मिश्रित युगल और पुरुष युगल होंगे। दो फ्रेंचाइजी के बीच प्रत्येक मैच में 100 अंक दांव पर होंगे, जहां प्रत्येक श्रेणी 25 अंकों की होगी। प्रत्येक टीम लीग चरण में कुल 500 अंक (100 अंक × 5 मैच) खेलेगी और अंक तालिका में शीर्ष 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

जोमैटो में हुई 5,438 करोड़ रुपये की ब्लॉक डील, 21 करोड़ शेयरों का हुआ सौदा

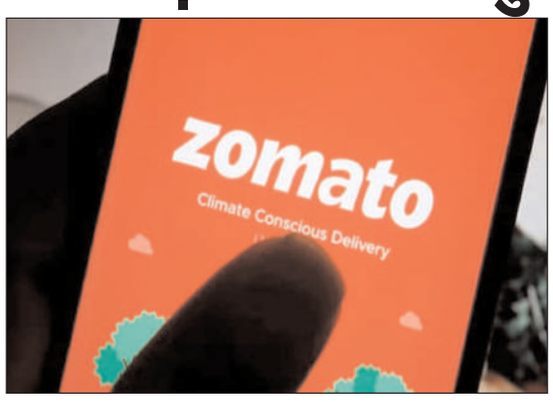

मुंबई(एजेंसी)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के शेयर में मंगलवार को 21 करोड़ शेयरों (2.4 प्रतिशत इक्विटी) का सौदा हुआ। इसकी वैल्यू करीब 5,438.5 करोड़ रुपये थी। यह ब्लॉक डील एंटफिन सिंगापुर की ओर से 258 रुपये प्रति शेयर के भाव पर किए जाने की संभावना है। इस डील के बाद जोमैटो का शेयर हल्की गिरावट के साथ 259.58 रुपये पर शुरुआती कारोबार में ट्रेड कर रहा था। एंटफिन सिंगापुर के पास जोमैटो में 4.24 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। इसकी वैल्यू करीब 10,000 करोड़ रुपये की थी। रिपोर्ट में बताया गया कि इस ब्लॉक डील के साथ ही एंटफिन के लिए 90 दिनों का लॉक-इन- पीरियड शुरू हो गया है। इसके बाद ही एंटफिन कोई दूसरा सौदा बाजार में कर पाएगी। इससे पहले रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एंटफिन जोमैटो में 1.54 प्रतिशत हिस्सेदारी 408 मिलियन डॉलर में बेचने की योजना बना रही है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में जोमैटो के मुनाफे में 126 गुना का इजाफा हुआ है। अप्रैल-जून की अवधि के बीच कंपनी ने 253 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 2 करोड़ रुपये था। नतीजे आने के बाद से जोमैटो का शेयर 12 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दे चुका है। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में कंपनी की आय में सालाना आधार पर 74 प्रतिशत की वृद्धि देखने मिली है और अप्रैल-जून की अवधि में यह 4,206 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में जोमैटो की ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू 27 प्रतिशत बढ़कर 9,264 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट की ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू (जीओवी) सालाना आधार पर 130 प्रतिशत बढ़कर 4,923 करोड़ रुपये हो गई है। ब्लिंकिट की योजना मार्च 2025 तक 1,000 स्टोर्स खोलने की है। 2026 के अंत तक मुनाफे में रहते हुए 2,000 स्टोर्स खोलने की है।

काइलैक: स्कोडा ऑटो इंडिया लेकर आया है ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी

नईदिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए आज का दिन एक बड़ी उपलब्धि वाला दिन है क्योंकि कंपनी अपनी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ भारत में एक नए युग की ओर कदम बढ़ा रही है। फरवरी में घोषित और इसके डिजाइन के हाल ही में जारी किए गए टीज़र के बाद, इस वाहन का नाम एक राष्ट्रव्यापी कैम्पेलन के जरिए रखा गया है। हजारों लोगों की पसंद को दर्शाते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी का नाम काइलैक होगा, और यह अपने भावी ड्राइवर्स के साथ अनूठा संबंध स्थापित करेगी। इस नाम के अनावरण के अवसर पर, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक, पेट्र जेनेबा ने कहा: हमारी नई एसयूवी काइलैक भारत के लोगों के लिए बनाई गई है। हम चाहते थे कि वे देश में हमारे अब तक के सबसे बड़े लॉन्च के हर बड़ी उपलब्धि का हिस्सा बनें। 'नेम योर स्कोडा' कैम्पेकन का उद्देश्य प्रतिभागियों और संभावित ग्राहकों के बीच गर्व और अपनेपन की भावना पैदा करना था। 200,000 से अधिक प्रविष्टियों के साथ परिणाम शानदार रहा। यह भारत में हमारी विरासत को मजबूत करता है और ब्रांड स्कोडा के प्रति लोगों के गहरे लगाव को दर्शाता है। कार के नामकरण की प्रक्रिया हमारे लिए महत्वपूर्ण है। और यह आगामी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे बड़े सेगमेंट में एक शानदार उपलब्धि है। काइलैक के साथ, लोगों, ग्राहकों और प्रशंसकों ने खुद ही हमारे परिवार के सबसे नए सदस्य का नाम रखा है। इस एसयूवी को भारत और यूरोप की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इसे भारत में ही बनाया जाएगा।

भारतपे अपने मर्चेंट पार्टनर्स को सुरक्षित लोन प्रदान करेगा

रायपुर। भारतपे, भारत की एक प्रमुख फिनटेक कंपनी है। भारतपे ने अपने प्लेटफार्म पर सभी मर्चेंट पार्टनर्स के लिए सुरक्षित लोन की पेशकश की है। पहले चरण में कंपनी ने अपने मौजूदा मर्चेंट पार्टनर्स के लिए दो पहिया लोन और म्युचुअल फंड्स के जरिए लोन देने की सुविधा शुरू की है। भारत पर ने दो पहिया लोन के लिए ओटीओ कैपिटल के साथ और म्युचुअल फंड्स पर लोन के लिए वॉल्ट मनी के साथ पार्टनरशिप की है। कंपनी अगले चरण में ऐसे मल्टी-प्रोडक्ट और मल्टी-लेंडर आफरिंग में विस्तारित करने की योजना बना रही है। भारत पे के मर्चेंट पार्टनर्स अब ओटीओ कैपिटल के माध्यम से अपने अगले दो पहिया वाहन के लिए 2.5 लाख रुपए तक के लोन की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं जिसका ब्याज भी काफी कम होने वाला है। लोन आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल है और मर्चेंट 12 से 48 महीना के बीच किसी भी अवधि को चुन सकते हैं। इसके अलावा वोल्ट मनी के साथ पार्टनरशिप के तहत मर्चेंट म्युचुअल फंड्स पर भी 1 करोड रुपए तक का लोन प्राप्त कर सकते हैं। इस सुविधा की लॉन्चिंग पर भारत पे की सीईओ नलिन नेगी ने कहा -भारतपे ने 2018 में लाखों ऑफ्लाइन मर्चेंट पार्टनर्स को नए जमाने के फिनटेक उत्पादों से सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरुआत की थी। 2019 में हमने असुरक्षित लोन की पेशकश और 0.5 ट्रिलियन यूएस डॉलर एमएसएमई क्रेडिट गैप को दूर करने का प्रयास किया, लेकिन वह हमारी कंपनी के विकास में अड़चन साबित हुआ। लेकिन अब हमारी सुरक्षित लोन की सुविधा से हमारे क्रेडिट पोर्टफोलियो को मजबूती मिलेगी।

एयरटेल के नेक्सट्रा ने वित्त वर्ष 23-24 के लिए सततता रिपोर्ट जारी की

गुरुग्राम (भारत): भारती एयरटेल (एयरटेल) की सहायक कंपनी नेक्सट्रा डेटा लिमिटेड (नेक्सट्रा बाय एयरटेल) ने आज वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपनी सततता रिपोर्ट के दूसरे संस्करण का अनावरण किया। रिपोर्ट में नेक्सट्रा के पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) मापदंडों पर लगातार तथा बढ़ते फोकस पर प्रकाश डाला गया है। यह रिपोर्ट भविष्य के लिए तैयार, डिजिटलीकृत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए की जा रही नेक्सट्रा की पहलों का विवरण देती है जो डिजाइन में टिकाऊ है और घने कार्यभार को समायोजित करने और ग्राहकों को निर्बाध गति से सेवा प्रदान करने के लिए तैयार की गई हैं, जिससे उनके आगे बढ़ने में सहायक बन सके। एयरटेल की नेक्सट्रा के सीईओ आशीष अरोड़ा ने कहा, डेटा सेंटरों का भविष्य सततता के साथ कुशल बुनियादी ढांचे का सामंजस्य बनाने की हमारी क्षमता में निहित है। हमारे व्यवसाय मॉडल एवं संचालन में अभिनव ईएसजी पहलों को एकीकृत करना हमारे डेटा सेंटर निर्माण तथा संचालन का पहले दिन से ही अभिन्न अंग रहा है।

भारत की पहली इंटेलिजेंट क्रॉसओवर ने अपने नए वीडियो में सेगमेंट के पहले 'इनफिनिटी व्यू ग्लास रूफ' को किया प्रदर्शित

रायपुर : जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एक नए वीडियो में अपने बहु-प्रतीक्षित वाहन - एमजी विंडसर- भारत की पहली इंटेलिजेंट क्रॉसओवर यूटीलिटी व्हीकल (सीयूवी), के 'इनफिनिटी ग्लास रूफ' को प्रदर्शित किया। इस इन्नोवेशन में एक शानदार डिजाइन है, जो कार के आलीशान केबिन के साथ आउटडोर वातावरण को उत्कृष्ट बनाता है, जिससे वाहन में बैठने वालों को एक पैनोरैमिक और प्रभावी ड्राइविंग अनुभव मिलता है। इस एक्सपैनसिव ग्लास रूफ के साथ, एमजी विंडसर को खरीदने वाले बाहरी वातावरण, चाहे फिर शहरी लैंडस्कैप हो या मनोरम पर्यटन स्थल, के साथ एक निर्बाध कनेक्शन का आनंद उठा सकेंगे। अपनी तरह का यह अनूठा फीचर न केवल एक लग्जरी टच प्रदान करता है, बल्कि स्पेस की भावना को भी बेहतर बनाता है, जिसके परिणामस्वरूप एडवांस्ड केबिन के भीतर एक हवादार एहसास महसूस होता है, जिससे हर यात्रा और अधिक आनंददायक बन जाती है। इनफिनिटी व्यू ग्लास रूफ विंडसर के सुरुचिपूर्ण डिजाइन में चार चांद लगाता है, जो इसे उन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है, जो प्रीमियम स्टाइल और कम्फर्ट दोनों को पसंद करते हैं। यह टीजर सीयूवी के सेगमेंट-फर्स्ट एयरो-लाउंज सीटों के हालिया खुलासा करने के बाद आया है, जिसने पहले ही कम्फर्ट और लग्जरी के लिए नए मानक स्थापित कर दिए हैं। ये फीचर्स एमजी विंडसर को भारतीय उपभोक्ताओं के लिए पहली पसंद में से एक बनाती है। जो व्यावहारिकता और प्रदर्शन से समझौता किए बिना प्रीमियम ड्राइविंग अनुभव हासिल करना चाहते हैं। इंटेलिजेंट सीयूवी प्रतिष्ठित वास्तुशिल्प रचना और शाही विरासत के प्रतीक- ब्रिटेन के विंडसर महल से प्रेरित है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 22 अगस्त 2024

परसदा गेट रेलवे समपार फाटक पर मरम्मत, सड़क यातायात रहेगा बंद

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेल मंडल सरोना कुम्हारी के मध्य मिडिल लाईन में परसदा समपार फाटक क्रमांक 429 (कि.मी.840/2A-4A) में दिनांक 22.08.2024 को सुबह 08:00 बजे से दिनांक 26.08.2024 को रात 00:00 बजे तक बंद रहने की संभावना है आवश्यक मरम्मत कार्य के कारण समपार फाटक से वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। समपार फाटक की मरम्मत करना रेल यातायात व यात्रियों की संरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक हैं।

संक्षिप्त समाचार

शुभारंभ फाउंडेशन ने बड़े ही उल्लास के साथ सावन को विदा किया

रायपुर (विश्व परिवार)। सावन की वर्षा और प्राकृतिक वातावरण बरबस मन में उल्लास व उमंग भर देते हैं। सावन माह हर किसी के लिए खास होता है। सावन में हर दिन महिलाएँ हरित श्रृंगार करके इस उत्सव को बड़े ही उत्साह के साथ मनाती हैं। इसी कड़ी में शुभारंभ फाउंडेशन के मेंबर्स ने सावन के आखरी सोमवार को बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाकर विदा किया। इस कार्यक्रम में श्रीमती अनुपूर्णा ने बेहतरीन नृत्य किया, जो सभी को पसंद आया। इसी कड़ी ने विभिन्न खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमे प्रथम पर गीता चौहान व द्वितीय स्थान पर साधना चक्रवती रही। कार्यक्रम में स्वादिष्ट व्यंजनों का प्रबंध किया गया जिसका लुफ्त मेंबर्स द्वारा उठाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीमा कटकर, अरुणा यादव, शिला प्रजापति इत्यादि महिलाएं उपस्थित रही।

'करो योग रहो निरोग' का दिया संदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के मंडल मुख्यालय रायपुर मे 47 वी अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योग प्रतियोगिता-2024 का आयोजन दिनांक 20.08.2024 से किया गया है, यह योग प्रतियोगिता डब्लुआरएस रेलवे कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन मे हो रही है। इस प्रतियोगिता को उम्र के अनुसार 06 केटेगरीयों मे रखा गया है- 18-21 वर्ष, 22-25 वर्ष, 26-30 वर्ष, 31-35 वर्ष, 36-45 वर्ष एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र। दिनांक 21.08.2024 को इस प्रतियोगिता मे 44 पुरूष एवं 05 महिला प्रतिभागियो के द्वारा अपनी कला के हुनर को सम्माननीय जूरी मेंबर और आम लोगो के सामने के प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से रेलवे सुरक्षा बल के बल सदस्यों, रेल कर्मचारीयों एवं आम नागरिकों को अपने जीवन मे योग को अपनाकर जीवनशैली मे सुधार करने और स्वस्थ रहने का संदेश दिया जा रहा है 'करो योग रहो निरोग'।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जनसमस्या निवारण पखवाड़े की गिनाई उपलब्धियां

पांच नगरीय निकाय में एसटीपी बनाने की घोषणा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बुधवार निवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ में मौजूदा बीजेपी सरकार ने 27 जुलाई से 10 अगस्त तक जन समस्या निवारण शिविर चलाया था। जिसको लेकर बुधवार को नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने इसे सफल बताया है। उन्होंने निकायों के विकास लिए 900 करोड़ रुपए खर्च करने की बात कही है। साथ ही 5 नगरीय निकाय में एसटीपी बनाने की घोषणा की है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बुधवार यह घोषणा पत्रकार वार्ता के दौरान की। इस दौरान उन्होंने जनसमस्या निवारण शिविर में प्राप्त मांगों और उसके निराकरण की स्थिति की जानकारी साझा की। नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने जन समस्या निवारण शिविर को सफल बताते हुए कहा कि, शिविर में हमें एक लाख 30 हज़ार आवेदन मिले हैं। जिसमें से अब तक 48 हज़ार आवेदनों का निराकरण किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि, निकायों के विकास लिए खर्च 900 करोड़ रुपए होंगे। जिसमें से 450 करोड़ अधोसंरचना मद से दिए जायेंगे। ये 450 करोड़ रूपये 15वें वित्त आयोग से दिया जायेगा। साथ ही उन्होंने 5 नगरीय निकाय में एसटीपी बनाने की घोषणा की है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन और विकास विभाग की सक्रियता की तारीफ करते हुए कहा कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों के विकास और नागरिकों को अधिक सुविधाएं देने के लिए पूरी कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार ने शुरुआती 8 महीनों में नगरीय निकायों को 1250 करोड़ रुपए दिए हैं। इस राशि का उपयोग नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अधोसंरचना विकास और जनसुविधाओं के सुधार के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा, पिछले 8 महीनों में जारी की गई राशि के साथ-साथ नगरीय निकायों को जल्द मिलने वाली 900 करोड़ रुपए को मिलाकर कुल 2150 करोड़ रुपए शहरों के विकास के लिए प्रदान किए जाएंगे। अरुण साव ने जोर देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के पास राशि की कमी नहीं है और सभी नगरीय निकायों की मांगों और जरूरतों के अनुसार राशि स्वीकृत की जा रही है।

प्रबंध संचालक ने किया रायपुर स्मार्ट सिटी लि. कार्यालय में ध्वजारोहण

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर स्मार्ट सिटी लि. कार्यालय में आज हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस की 78वीं वर्षगांठ मनाई गई। प्रबंध संचालक श्री अबिनाश मिश्रा ने इस अवसर सिटी कोतवाली स्थित रायपुर स्मार्ट सिटी लि. कार्यालय में ध्वजारोहण किया। इस दौरान रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के मुख्य परिचालन अधिकारी श्री उज्जवल पोरवाल, महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री आशीष मिश्रा, महाप्रबंधक (ई. एंड टी.) श्री पी.के. पंचायती, उप-महाप्रबंधक (वित्त) श्री अमित शर्मा, डिप्टी मैनेजर श्री संजय अग्रवाल, सहायक अभियंता श्री अंशुल शर्मा, प्रोक्योरमेंट स्पेशलिस्ट श्री विवेक चंद्राकर, असिस्टेंट मैनेजर श्री योगेंद्र साहू, श्री शुभम तिवारी, श्रीमती नेहा पटेल सहित सभी अधिकारी-कर्मचारी एवं स्टॉफ़ उपस्थित रहें।

मैट्स विश्वविद्यालय में सप्तदिवसीय दीक्षाआरम्भ कार्यक्रम का आयोजन की शुरुआत

आरंग (विश्व परिवार)। मैट्स विश्वविद्यालय मुख्यपरिसर गुल्लू आरंग में मैट्स कॉलेज में प्रवेश लिए नवप्रवेशी विद्यार्थियों हेतु शिक्षा मंत्रालय के दिशानिर्देश अनुसार दीक्षाआरंभ कार्यक्रम की भव्य शुरुआत की गई जो लगातार सात दिनों तक चलेगा जिसमे विद्यार्थियों को स्कूल शिक्षा से उच्च शिक्षा में जोड़ने एवम उनको उस परिवेश में ढालने के साथ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के साथ जोड़ने पर कार्य किया जाएगा। मैट्स विश्वविद्यालय मुख्य परिसर में संचालित मैट्स कॉलेज विशेष रूप से ग्रामीण अंचल में निवासरत आर्थिक रूप से वंचित वर्ग के विद्यार्थियों हेतु शिक्षा के क्षेत्र में एक संजीवनी की भांति है जिसमे उन्हें विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया द्वारा प्रदत्त चांसलर स्कालरशिप फ्री बस सेवा वातानुकूलित क्लासरूम एवम उच्च प्रशिक्षित शिक्षकों के अलावा समस्त प्रकार की सुविधा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु उपलब्ध कराया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती माता की पूजा अर्चना के साथ की गई तत्पश्चात राजकीय गीत का गायन किया गया एवम नवप्रवेशी विद्यार्थियों तथा अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। स्वागत गीत के माध्यम से तथा प्राचीन काल से चली आ रही आतिथ्य भेंट उपरांत कार्यक्रम की शुरुआती उद्बोधन में मैट्स कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर ए जे खान ने बताया कि मैट्स कॉलेज आदरणीय श्री गजराज पगारिया महोदय का एक ड्रीम प्रोजेक्ट है एवम यहां अध्ययन करने वाले ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों के स्वर्णिम जीवन की आधारशिला है आदरणीय कुलाधिपति महोदय ने अभी तक करोड़ों रुपए इन विद्यार्थियों के अध्ययन की सुविधाओ पर लगाए है ताकि वे विद्यार्थी एवम उनका परिवार आर्थिक एवम सामाजिक पृष्ठभूमि से मजबूत हो सके इस उद्बोधन में प्राचार्य सर ने रोचक प्रसंगों के माध्यम से विद्यार्थियों एवम उपस्थित सभाजनो को मंत्रमुग्ध किया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री गोकुलानंद पंडा ने विद्यार्थियों को उच्चशिक्षा एवम स्कूली शिक्षा के मध्य भेद को स्पष्ट किया एवम उन्होंने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का गुरुमंत्र प्रदान किया। कार्यक्रम के अग्रिम कड़ी में मैट्स विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर के पी यादव ने विद्यार्थियों को उनके विद्यार्थी जीवन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कड़ी मेहनत करने और नूतन प्रयोग पर ध्यान देने की बात कही गई। मैट्स विश्वविद्यालय के महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभाशीष प्रदान किया। तत्पश्चात मैट्स विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को मैट्स विश्वविद्यालय में उनके प्रथम दिवस पर उनका उत्साहवर्धन करते हुए अनेक प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से शिक्षा अर्जन कर अपने परिवार एवम विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने का संदेश दिया उन्होंने कड़ी मेहनत का कोई दूसरा विकल्प नहीं है इस पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी ध्यान देने एवम विश्वविद्यालय में उनके लिए आवश्यक साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ हुआ इस अवसर पर मैट्स विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष शिक्षकवृंद तथा विश्वविद्यालय प्रशासन के कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अयंतिका पॉल एवम सुश्री सुमन साहू ने किया। इस कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन मैट्स कॉलेज के सहायक प्राध्यापक उमेश कुमार साहू के द्वारा किया गया। मैट्स कॉलेज के वरिष्ठ विद्यार्थियों एवम स्टॉफ के सहयोग से सप्तदिवसीय दीक्षाआरंभ का प्रथम दिवसीय कार्यक्रम सफल रूप से आयोजित हुआ।

संपूर्ण जीवन प्रबंधन कोर्स में तुषी ने देश में पाया द्वितीय स्थान

रायपुर (विश्व परिवार)। जैन मानद विश्वविद्यालय बैंगलुरु एवं विचक्षण जैन विद्यापीठ रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में संपूर्ण जीवन प्रबंधन (प्रारंभिक) में राजधानी की सुश्री तुषी डाकलिया ने प्रावीण्य सूची में भारत में दूसरा स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। यह कोर्स परम पूज्य अध्यात्म योगी उपाध्याय प्रवर श्री महेंद्र सागर जी महाराज साहब एवं परम पूज्य युवा मनीषी उपाध्याय प्रवर श्री मनीष सागर जी महाराज साहब की पावन प्रेरणा से शुरू किया गया है, जो छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स है। तुषि डाकलिया, मनोहर गौशाला के ट्रस्टी और जीवजंतु कल्याण बोर्ड मानद प्रतिनिधि अखिल जैन (पदम डाकलिया) की पुत्री हैं। उन्होंने प्रावीण्य सूची में मिले स्थान पर मिली राशि को मनोहर गौशाला में अर्पित किया।

क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो शुक्रवार से, तैयारियां हुई पूरी

क्रेडाई की टीम ने इंडोर स्टेडियम पहुंचकर किया निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। भरोसा आपका साथ है क्योंकि ये घर की बात है, इसी भरोसे के साथ राजधानी सहित पूरे प्रदेश के लोगों का इंतजार होने वाला है खत्म जब 23 अगस्त शुक्रवार को क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो की शुरुआत होगी। 23 से 25 अगस्त तीन दिन तक चलने वाले प्रापर्टी एक्सपो की सारी तैयारियां व्यवस्थित रूप से पूरी हो गई है। छत्तीसगढ़ क्रेडाई की पूरी टीम ने आज इंडोर स्टेडियम पहुंचकर निरीक्षण किया और इस बात पर खुशी जताई कि लोगों को इस बार और नए अंदाज में दिखेगा प्रापर्टी एक्सपो। 40 डेवलपर्स अपने 200 प्रोजेक्ट के साथ मौजूद रहेंगे। फाइनेंस से लेकर हर प्रोजेक्ट की वैधानिकता व हर लोकेशन पर हर बजट का प्रोजेक्ट पाने का यह सुनहरा अवसर नए-पुराने सभी बायर्स के लिए फायदेमंद होगा।

क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष संजय रहेजा, प्रोग्राम चेयरमेन ऋषभ जैन, को-चेयरमेन नवनीत अग्रवाल व सचिव पंकज लाहोटी ने बताया कि प्रापर्टी एक्सपो में आकर लोगों को विकल्प चयन का अवसर मिलना सबसे बड़ी बात है। इसलिए कि हर किसी का बजट अलग होता है, किसी को लोकेशन विशेष पर प्रापर्टी चाहिए रहता है। एक ही जगह पर क्रेडाई के सारे मेंबर्स बिल्डर्स इसमें भाग ले रहे हैं इसलिए किसी और जगह जाने की उन्हे जरूरत नहीं पड़ती। यदि प्रापर्टी पसंद आ गयी और बुक कराया तो स्पाट बुकिंग पर कई सारे आफर्स का लाभ भी वे पा लेते हैं। यदि कुछ फाइनेंस की कुछ दिक्कत आ गई तो बैंकिंग सेक्टर अधिकांश बैंकों के स्टाल पर यहां पर हैं जो तत्काल फाइनेंस की प्रक्रिया पूरी करवा देते हैं। इस एक्सपो की सबसे बड़ी बात ये है कि रेरा ने पहली बार अपना स्टाल यहां लगाया है जिससे वैधानिकता भी जांच सकते हैं। मतलब जिस भरोसे से आप क्रेडाई के एक्सपो में आयेंगे उसी भरोसे से प्रापर्टी भी पायेंगे इसलिए क्रेडाई भी ये मान रहा है क्योंकि ये घर की बात है। क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो का आयोजन इस अवधि में करने का एक मुख्य उद्देश्य फेस्टिव सीजन में शुभ मुहूर्त की खरीदी को प्रापर्टी के निवेश में तब्दील करने का मौका प्रदान करना। ताकि फ्लैट, बंगला, मकान, विला, प्लाट या कमर्शियल स्पेश खरीदने का सपना पूरा हो सके। निर्माण में उपयोग आने वाले रा मटेरियल की कीमत भी फिलहाल स्थिर है। इसलिए कह सकते हैं यही सबसे अच्छा मौका है अपने आशियाने का सपने पूरा करने का। मतलब आज की बचत कल की समझदारी है।

आयोजन को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो में इस बार के स्पांशर है,एसबीआई, आईसीआईसीआई, जगुआर, मैजिक पेंट्स, एमकेजी व नेचर टच।

प्रदेश महामंत्री सजंय श्रीवास्तव ने भारत रत्न अटल जी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर जरूरतमंद बच्चो को पुस्तक-कॉपी वितरीत कर मनाया अपना जन्मदिन

रायपुर (विश्व परिवार)। शंकर नगर वार्ड 30-पार्षद सुमन राम प्रजापति ने बताया कि प्रदेश महामन्त्री संजय श्रीवास्तव जी के जन्मदिन के अवसर पर वार्ड स्थित अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। ततपश्चात स्कूल के बच्चो को स्टेशनरी सामग्री वितरित कर केक काटकर बच्चो को मिठाई खिलाकर अपना जन्म दिन मनाया।

इस अवसर पर सुनील परेतकर जी, सुनील शर्मा जी, अशोक सुराना जी, अनूप वर्मा जी, मनवीर शर्मा जी, शशी तलवार जी, सुनीता वंजारी जी,रेखा सोनी जी, भारती यादव जी, चन्द्र प्रकाश प्रजापति जी, खरे जी, श्रवण मिश्रा जी, राजा जी, राम तांडी जी, महेन्द्र धनकर जी, आशिष असाटी जी, रेखा मरावी जी,तेज बाई जी, कुमारी यादव जी, ज्योति साहू जी, दीपिका यादव जी, धारा यादव जी, सहित विद्यालय की बालक बालिकाये उपस्तिथ हुई।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने शेयर धारक गन्ना किसानों को रियायती दर पर किया 50 किलो शक्कर का वितरण

गन्ना किसानों का अधिकार दिलाने और उनके कल्याण एवं सम्मान हेतु भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है : भावना बोहरा

पंडरिया (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के गन्ना किसानों को बड़ी सौगात देते हुए भाजपा सरकार द्वारा फिर से शेयरधारक किसानों को किफायती दाम पर शक्कर वितरित किया जा रहा है। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना, पंडरिया के शेयर धारक गन्ना किसानों को 50 किलो शक्कर का वितरण कर उन्हें बधाई दी। आपको बताते चलें कि पहले भी ये योजना चल रही थी। लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार आने के बाद से इस प्रक्रिया को बंद कर दिया गया था। विधायक भावना बोहरा ने इस विषय को विधानसभा में उठाया था और किसानों को पुन: शक्कर वितरण करने की मांग सदन में रखी थी। 5 वर्षों के बाद प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद से इस क्रं को पुन: शुरू किया गया है जिससे गन्ना उत्पादन करने वाले किसानों में खुशी दिखाई दी।

इस दौरान राजनांदगांव लोकसभा सांसद संतोष पाण्डेय भी उपस्थित थे जिन्होंने सभी लाभान्वित किसानों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार व छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने हमेशा किसानों के हितों और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। इन जनहितैषी योजनाओं से आज हमारे अन्नदाता सक्षम व स्वालंबी बन रहें हैं। मोदी की गारंटी में किये गए अपने वादों को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रदेश के अन्नदाताओं को उनका हक़ मिल रहा है, जिससे वे प्रदेश की तरक्की व प्रगति में अपनी अहम भूमिका निभा रहें हैं।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज शक्कर कारखाने के शेयर धारक किसानों को 5 वर्षों के बाद उनका अधिकार मिलता देख बहुत ही प्रसन्नता हो रही है।

नो योर आर्मी प्रदर्शनी का आयोजन 5 एवं 6 अक्टूबर 2024 को

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित नो योर आर्मी प्रदर्शनी की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। कार्यक्रम स्थल पर कलेक्टर ने मंच निर्माण के लिए स्थल चयन, आंगुतकों के ठहरने की व्यवस्थाए आमंत्रित नागरिकों के बैठने की व्यवस्था समेत अन्य तैयारियों के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आर्मी के जवानों के ठहरने की व्यवस्था भी देखी। स्पोर्टस स्टेडियम में बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दौलत राम पोर्ते समेत आर्मी के अधिकारी समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। 5 और 6 अक्टूबर को नो योरआर्मी प्रदर्शनी का आयोजन साइंस कॉलेज मैदान में किया जाएगा।

रायपुर में स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत विश्व उद्यमिता दिवस पर उधमिता प्रोत्साहन के कार्यक्रम सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर में आज स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत विश्व उद्यमिता दिवस पर उधमिता प्रोत्साहन के 3 कार्यक्रम संपन्न हुआ। आज दिनांक 21-8-24, बुधवार, उधमिता दिवस के उपलक्ष्य पर, स्वावलंबी भारत अभियान के कार्यक्रम की सफल शुरुआत हुई। रायपुर में दिशा कॉलेजके bcom और bba के छात्रो के समक्ष स्वावलंबन की ओर बढ़ता भारत, पर डॉ इला गुप्ता (साइकोलॉजिस्ट), सुमन मुथा (प्रांत महिला सह समन्वयक) और गजेंद्र जी (पूर्ण कालिक) और कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अनिल तिवारीजी उपस्थित थे। तक़रीबन 200 विद्यार्थियों ने पूरी कार्यशाला को समझा और आगे से प्रण लिया कि वह उधमिता के बारे मैं सोचेंगे और स्वदेशी अपनायेंगे।

स्वावलंबी भारत अभियान का प्रणवानंद अकादमी विद्यालय में कार्यक्रम सम्पन्न। प्रणवानंद अकादमी के बी एस एस स्कूल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच की प्रान्त महिला सह संयोजक श्रीमती शिला शर्मा जी ने विद्यार्थियों को स्वावलंबी और अपना स्वयं का स्टार्टअप खड़ा करने का आग्रह किया।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अनंदिता घोष, डॉ श्याम शर्मा, दिग्विजय भाकरे, सिद्धार्थ शर्मा, दीपक अग्रवाल, अंजली केडिया, अपर्णा मिश्रा, विवेक वर्मा सहित 140 छात्र उपस्थित हुए।

स्वावलंबी भारत अभियान का माधवराव सप्रे उच्च मा विद्यालय में कार्यक्रम सम्पन्न। इस अवसर पर सुमन मुथा (प्रांत महिला सह समन्वयक) स्वावलंबी भारत अभियान ने अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 15, वीं शताब्दी में विश्व का 32 प्रतिशत उत्पादन भारत में हो रहा था ऐसा देश था हमारा। फिर से 2024 में आज 1.36 लाख स्टार्ट अप है।आज भारत विश्व में 5वीं नम्बर की अर्थव्यवस्था है ! उद्यमी बनें !!दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुऐं स्वीकारें! विशेष अतिथि शाला समिति के अध्यक्ष श्री हरख मालू जी ने कौशल विकास के बारे में बताया व विद्यार्थियों को उपयोगी जानकारी प्रदान की।उद्यमिता का जैविक पथ दिखाने हेतु 37 करोड़ स्टार्ट अप का देश पुस्तक का विमोचन हुआ।सफल उद्यमी श्री संदीप साहू का सम्मान किया गया। विद्यालय उप प्राचार्य श्री राजकुमार राव, श्री गजेन्द्र मिश्रा, श्री सुनील गायकवाड़, श्री अजय गुप्ता, शिक्षक गण सहित 150 छात्र उपस्थित हुए।

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता
ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न
Food Licence
इन्कम TAX फाईल
M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस
डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

कैंसर सर्जरी
पश्चात अंगों का
पुन:निर्माण
(जबड़ा, स्तन व अन्य)
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कांस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धनतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

सिराज इलेक्ट्रिकल्स
इलेक्ट्रिक कार्य के लिए
अनुभवी लड़कों की
तत्काल आवश्यकता है
पता- : कचना, विधानसभा रोड, रायपुर
MO. : 7081177718, 9301248947

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354